www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
29 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 142 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एससी का केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार

2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर देना ही होगा चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से ज्यादा के कुछ खास यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर एमडीआर लगाया जाना है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दो हजार से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गेटवे का इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट प्राप्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला कानूनी से ज्यादा तकनीकी है और केंद्र व अन्य को चार हफ्ते के भीतर अपना जवाब (काउंटर एफिडेविट) दाखिल करने का निर्देश दिया। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में यूपीआई के लिए एक नया फ्रेमवर्क घोषित किया, जिसके तहत

2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर 0.4 फीसदी का एमडीआर लगेगा। सरकार का कहना है कि पर्सन-टू-पर्सन (एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के बीच) ट्रांजेक्शन पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। सरकार के मुताबिक, ट्रांसफर की गई रकम चाहे कितनी भी हो सभी 'पर्सन-टू-पर्सन' ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा। सरकार ने कहा था कि सभी परसन 2 मर्चेंट (व्यक्ति-से-मर्चेंट) ट्रांजेक्शन में से लगभग 96 प्रतिशत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमडीआर मर्चेंट पेमेंट इकोसिस्टम का एक चार्ज है, न कि यूपीआई पेमेंट करने वाले ग्राहकों से ली जाने वाली कोई फीस। बैंकों को यह पक्का करने के लिए कहा गया है कि मर्चेंट एमडीआर का बोझ ग्राहकों पर न डालें, जबकि यूपीआई ऐप्स को प्लेटफॉर्म फीस या छिपे हुए चार्ज लगाने से मना किया गया है। सरकार की एक प्रेस रिलीज में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों की जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि बैंकों को यह पक्का करने के लिए कहा गया है कि मर्चेंट एमडीआर चार्ज का बोझ ग्राहकों पर न डालें। प्रेस रिलीज में कहा गया है, यूपीआई एप्लीकेशन प्रोवाइडर्स को छपे हुए चार्ज लगाने से साफ तौर पर मना किया गया है।

रेलवे स्टेशन के पास शराब की दुकान, ना बाबा ना

चेन्नई (एजेंसी)। रेलवे की तरफ से एक बड़ी डिमांड आई है। रेलवे ने तमिलनाडु की एक सरकारी कंपनी से कहा है कि वह रेलवे स्टेशन के निकट या रेल फाटकों और रेल लाइनों के नजदीक के शराब दुकानों को रिलोकेट करें। इसका अर्थ है कि इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट करें। रेलवे का कहना है कि इन लिकर शॉप्स की वजह से रेल परिसर में अव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। रेलवे की चिट्ठी में 43 लिकर शॉप का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने कंपनी के प्रबंध निदेशक को चिट्ठी लिख कर यह मांग रखी है।

ट्रैफिक चालान नहीं भरा तो बिजली बिल में जुड़ सकती है रकम!

- सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया नया तरीका, ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई
- कहा-चालान जारी करना काफी नहीं, उनकी वसूली भी है बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रैफिक चालान की वसूली को लेकर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो इसकी वसूली के लिए बिजली बिल जैसे दूसरे सरकारी बकाये के साथ रकम जोड़ने जैसे तरीकों पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ ई-चालान जारी करते रहना काफी नहीं है। पुलिस हजारों और लाखों ई-चालान जारी कर सकती है। लेकिन असली सवाल इन चालानों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली का है। कोर्ट को जानकारी दी गई कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ई-चालान के करीब 45000 करोड़ रुपये वसूलने हैं। इनमें से अब तक करीब 25000 करोड़ रुपये की वसूली हुई है।

जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए करना होगा काम

जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि अधिकारियों को जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों के चालान बाकी हैं, उनके रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के रिन्यू और डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। ऐसे वाहनों के मालिकाना हक में बदलाव भी रोका जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक चालान का भुगतान नहीं होता, तब तक वाहन का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे वाहनों को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने और ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण पर रोक लगाने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा, पहले से जारी ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने और पीयूसी सर्टिफिकेट जारी नहीं करने जैसे उपायों पर विचार को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

असम से ब्रह्मपुत्र के रास्ते शुरू हो रहा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- बांग्लादेश बनने के बाद पहली बार इस रास्ते से गुजरेंगे दो कार्गो जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डिब्रूगढ़ से आजादी के बाद पहली बार ब्रह्मपुत्र नदी के रास्ते इंटरनेशनल कार्गो शुरू हो रहा है। इस तरह का पहला कार्गो बांग्लादेश भेजा जा रहा है, जो उसके इतिहास में भी पहली बार होने वाला है। असम के डिब्रूगढ़ के बोगीबील टर्मिनल से दो कंटेनर शिप बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं, जिन पर कुल 1,080 टन मेथेनॉल लदा है। दोनों जहाजों पर 20-20 टन मेथेनॉल वाले 27-27 कंटेनर लदे हैं और प्रत्येक जहाज पर लगभग 540

टन माल है। इस मेथेनॉल का उत्पादन असम के ही सरकारी असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड में किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन बिकुल डेका ने कहा कि करीब 80 साल बाद डिब्रूगढ़ से नदी के रास्ते निर्यात की शुरुआत हो रही है, मतलब यह भारत की आजादी के बाद भी असम से ब्रह्मपुत्र के माध्यम से निर्यात का यह पहला मामला है। एजेंसियों के मुताबिक डिब्रूगढ़ के बोगीबील टर्मिनल से ये कंटेनर जहाज ब्रह्मपुत्र नदी में करीब 783 किलो मीटर का सफर करेंगे।

दो डीएसपी दबा गए माओवादियों के सीक्रेट बंकर से मिला कैश

पुलिस विभाग के भीतर ही उठ रहे गंभीर सवाल, रिपोर्ट भी दबाई

रायपुर (एजेंसी)। माओवादी डंप की तलाश के दौरान बरामद करीब 20 लाख रुपये की नकदी को लेकर अब पुलिस विभाग के भीतर ही गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मार्च-अप्रैल 2026 में सुकमा जिले के मुरगांव क्षेत्र के जंगलों में तलाशी के दौरान मिली रकम को सरकारी खाते में जमा कराने के बजाय तत्कालीन दो डीएसपी ने आपस में बांट लिया। मामले की जानकारी तत्कालीन एसपी तक पहुंचने के बाद आंतरिक जांच कराई गई। लेकिन जांच रिपोर्ट सामने

नहीं आने से पूरे मामले को लेकर सवाल बने हुए हैं। विभाग की ओर से इस आरोप पर अब तक कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। दरअसल, तत्कालीन डीएसपी पुलिस टीम के साथ मुरगांव के आश्रित गांव टोडेमरका और मरकाकोनारी के जंगलों में माओवादी डंप की तलाश के लिए गए थे। तलाशी अभियान के दौरान टोडेमरका के जंगल से करीब 15 लाख रुपये और मरकाकोनारी से करीब 5 लाख रुपये बरामद होने की बात सामने आई। इस तरह कुल बरामद नकदी करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।

चार महीने में टीएमसी का विवाद सुलझाए चुनाव आयोग

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश, टीएमसी का नाम-सिंबल फ्रीज

शिवसेना का केस 4 साल व एनसीपी का 3 साल से पेंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और 'फूल-पत्ती' चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद पर फैसला देने की समय-सीमा तय की। कोर्ट ने दोनों गुटों को एक महीने में अपनी दलीलें पूरी करने और इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने में फैसला देने का निर्देश दिया। यानी पूरी प्रक्रिया 4 महीने में पूरी करनी होगी। चुनाव आयोग ने विवाद को सुलझाने के लिए 6 महीने का समय देने की अपील की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर

दिया। यह आदेश ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। उन्होंने चुनाव आयोग के उस अंतरिम फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न का इस्तेमाल रोक दिया गया था। शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न से जुड़ा विवाद करीब 4 साल से पेंडिंग है, जबकि एनसीपी का मामला भी 3 साल से पेंडिंग है।

कोर्ट ने कहा-

विवाद सुलझाने के लिए एआई का इस्तेमाल करें

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया है कि वे अस्पष्ट विवाद को जल्दी सुलझाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करें। कोर्ट ने कहा कि इन आधुनिक तकनीकों की मदद से जटिल कानूनी दस्तावेजों को पढ़ने और समझने का काम बहुत तेजी से हो सकता है, जिससे यह पूरा मामला 6 महीने की बजाय सिर्फ 3 महीने में ही निपटाया जा सकेगा। बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। टीएमसी के दोनों गुटों ने असली नाम और सिंबल पर चुनाव लड़ने की मांग की थी। ईसी ने 17 सितंबर को ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं की सुनवाई की थी। सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने टीएमसी नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया। आयोग ने 18 सितंबर को ममता बनर्जी के गुट को अलग माना था।

उज्जैन में शाही मस्जिद का हिस्सा तोड़ने पर कोहराम

- जमकर हंगामा, पथराव-लाठीचार्ज, 10 पर एफआईआर
- 5 गिरफ्तार, इमाम का दावा- मस्जिद 600 साल पुरानी

भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन में शाही मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। पुलिस ने 10 लोगों पर एफआईआर की है। इनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। अभी इनकी गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है जबकि बाहर से आए 5 लोग अरेस्ट किए गए हैं।

- **हाईकोर्ट का आदेश, जारी रहेगी कार्रवाई-** उज्जैन की शाही मस्जिद पर नगर निगम की कार्रवाई जारी रहेगी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर डबल बेंच ने मस्जिद का हिस्सा तोड़ने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ वर्ष 2028 में लगेगा।

ऐसे में उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का अभियान नगर निगम चला रहा है और उसी के तहत शाही मस्जिद के कुछ हिस्सों को हटाने की तैयारी थी।

उपद्रवियों को लाठी मारकर खदेड़ा

आवास पर पत्थरबाजी करने गए उपद्रवियों को पुलिस ने लाठी मार-मारकर खदेड़ा है। एक वीडियो में दिख रहा है कि उज्जैन संभाग के कमिश्नर आशीष सिंह मौके पर मौजूद हैं। इस दौरान गली से उपद्रवियों को खदेड़ा जा रहा है। पुलिस के जवान एक उपद्रवी को लाठी मारकर वहां से खदेड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है जो शहर की फिजा खराब कर रहे हैं। 5 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, मामले मे 5 प्रकरण दर्ज किए गए है। शहर काजी के घर के बाहर भी कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया था। उन पर भी एफआईआर दर्ज की जा रही है। मुस्लिम समाज के लोग खुद से ही चिह्नित हिस्से को हटा रहे हैं। अब मस्जिद के पास पूरी तरह से शांति है। प्रशासन ने भीड़ को वहां से हटा दिया है। अफवाहों को जरिए लोगों को उकसाया जा रहा है तो अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन हो रहा है। उन्हें वहां से हटाया जा रहा है।

शहर काजी की रजामंदी पर भड़के लोग, घर पर किया पथराव

प्रशासन के साथ मीटिंग के बाद शहर काजी और मस्जिद कमिटी ने खुद से शाही मस्जिद हटाने पर सहमति दे दी थी। शहर काजी की रजामंदी के बाद उज्जैन में मुस्लि समाज के लोग भड़क गए। शहर काजी खली कुर्रे रहमान ने लोगों से शांति की अपील की थी। साथ ही कहा था कि सब कुछ सहमति से हो रहा है। इसके बाद मुस्लिम समाज के कुछ लोग भड़क गए हैं। उज्जैन स्थित उनके निवास पर जाकर लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उपद्रवियों को नियंत्रित किया है। साथ ही उनके ऊपर बल का भी प्रयोग किया है।

छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान भी विकसित करेगा भारत!

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, तेजी से बढ़ा रहा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि भारत पांचवीं पीढ़ी के साथ-साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस मार्ग पर चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन देश का संकल्प पूरी तरह अडिग है और भारत अगले दशक में रक्षा निर्माण में एक बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। भारत अपने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ-साथ एयरोस्पेस प्रोपल्शन, स्वदेशी विमान और ड्रोन इंजन विकसित करने पर भी जोर दे रहा है।

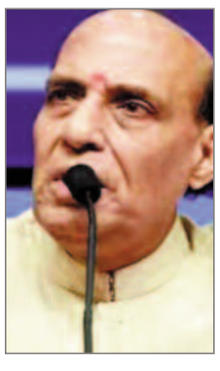

जो देश टेक्नोलॉजी में नेतृत्व करेगा, उसे युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल होगी- उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य बिना किसी विघटन के आगे बढ़ना और संघर्ष के बिना सकारात्मक बदलाव लाना है। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि जो राष्ट्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करेगा, उसे युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल होगी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

- देश भर के आठ राज्यों में किया प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग
- आगरा में सीईसी के घर पर कालिख पोती, जमकर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के 10 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड,गुजरात,दिल्ली, केरल में सोमवार को कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। राजस्थान के जयपुर में शहीद स्मारक पर सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस तक पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने बैरिकेडिंग

कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया। पुलिस ने पर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पहले शहीद स्मारक पर सभा हुई।

कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर लिखा-गद्दार

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर यूपी में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। लखनऊ में चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो वे भिड़ गए। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने हटाने की कोशिश की तो कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। पुलिसवालों ने उन्हें टांगकर वैन-बस में बैठाया और ईको गार्डन ले गए। वहीं, काशी में कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पोस्टर को जूतों से पीटा।

प्रतीकात्मक रूप से सीईसी बने कार्यकर्ता को जंजीरों में बांधा

मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में भोपाल में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर भी चढ़ गए। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की। प्रदर्शन की वजह द इंडियन एक्सप्रेस की वह रिपोर्ट है, जिसमें चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से पिछले 10 महीनों में चुनावी सूची और एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों पर कम से कम 14 आपत्तियां दर्ज किए जाने की बात सामने आई थी। चुनाव आयोग ने बाद में कहा कि फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे।

संपादकीय

मौत के मुहाने पर श्रमिक?

उत्तराखंड में विकास परियोजनाओं की लंबी सूची है। कहीं सुरंगें बन रही हैं, कहीं जलविद्युत परियोजनाएं आकार ले रही हैं तो कहीं सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। सरकार इन्हें राज्य के विकास और भविष्य की तस्वीर के रूप में प्रस्तुत करती है। लेकिन इन परियोजनाओं के साथ एक ऐसा सवाल भी जुड़ा है, जिसका जवाब आज तक नहीं मिल पाया जो श्रमिकों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उत्तराखंडमे चल रही एक परियोजना के दौरान सिलक्यारा सुरंग हादसे ने पूरे देश का ध्यान उत्तराखंड की परियोजनाओं की ओर खींचा था। उस घटना के बाद उम्मीद थी कि सुरक्षा मानकों को लेकर व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। लेकिन बाद के हादसों ने यह संकेत दिया कि व्यवस्था ने शायद उतना सबक नहीं सीखा, जितना सीखना चाहिए था। हिमालयी क्षेत्र की भौगोलिक चुनौतियां किसी से छिपी नहीं हैं। पहाड़ों की संवेदनशील संरचना, भूस्खलन का खतरा, भूगर्भीय अस्थिरता और अचानक आने वाली प्राकृतिक बाधाएं यहां हर परियोजना को जोखिमपूर्ण बनाती हैं। अक्सर ऐसा प्रतीत होता है कि परियोजनाओं की समय सीमा और लागत पर तो चर्चा होती है, जबकि श्रमिकों की सुरक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। जिन श्रमिकों के कंधों पर विकास का पूरा ढांचा खड़ा होता है, वही सबसे अधिक असुरक्षित रहते हैं। कई बार दुर्घटना के बाद यह सुनने को मिलता है कि सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे, निगरानी में कमी थी या जोखिम का सही आकलन नहीं किया गया था। यदि ऐसा है तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि प्रशासनिक और संस्थागत लापरवाही का मामला भी है। सरकारों को यह समझना होगा कि हादसे केवल आंकड़े नहीं होते। हर दुर्घटना के पीछे एक परिवार का भविष्य छिपा होता है। इसलिए केवल मुआवजा देकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। वास्तविक जिम्मेदारी ऐसी परिस्थितियां पैदा करना है, जहां हादसों की संभावना न्यूनतम हो। उत्तराखंड में सभी बड़ी परियोजनाओं के लिए एक अलग और कठोर श्रमिक सुरक्षा नीति बनाई जानी चाहिए स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हों, भूगर्भीय जोखिमों का लगातार मूल्यांकन हो, आधुनिक तकनीकों से निगरानी की जाए और किसी भी स्तर की लापरवाही पर सीधे जवाबदेही तय की जाए। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली एजेंसियों को केवल नोटिस नहीं, बल्कि प्रभावी दंड का सामना करना पड़े। विकास निश्चित तौर पर जरूरी है, लेकिन मानव जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाएं, लेकिन उनकी कीमत श्रमिकों की जान हो, तो ऐसे विकास पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। उत्तराखंड को अब यह तय करना होगा कि वह श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला राज्य भी बनना चाहता है। जब तक इस प्रश्न का ठोस उत्तर नीति के रूप में सामने नहीं आता, तब तक हर नया हादसा कई परिवारों के आंगन को अंधकार मय करता रहेगा।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है। जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते।

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरूआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं

विश्व हृदय दिवस की शुरूआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरूआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने डोंट मिस ए बीट थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द. जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रान्ति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श व जाँच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध है। हृदय की एक-एक धड़कन महत्वपूर्ण है। इसलिए डोंट मिस ए बीट थीम के साथ इस बार हृदय संबंधी रोगों को लेकर जन-जागरूकता को और फैलाएं।

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

प्रहलाद सबनानी

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरीदें अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें। माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजराईल हम्मास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ओफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेंगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्याज के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है।

तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं।

चौथे, भारतीय नागरिकों में स्वर्ण के प्रति आकर्षण कुछ अधिक मात्रा में ही है। यह सही है कि स्वर्ण भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता हुआ दिखाई देता है परंतु देश के विकास की दृष्टि से यह सुप्त मुद्रा के रूप में ही देखा जाता है। स्वर्ण में किए गए निवेश पर किसी भी प्रकार की आय का अर्जन नहीं होता है क्योंकि स्वर्ण में निवेश की गई राशि उत्पादक निवेश की श्रेणी में नहीं गिनी जाती है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय परिवारों के पास लगभग 25,000 टन से अधिक का स्वर्ण भंडार मौजूद है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 125 प्रतिशत है। इतनी भारी भरकम राशि का निवेश निष्क्रिय एवं अनुत्पादक अस्तियों में होने के चलते लाखों करोड़ रुपए की राशि पर किसी प्रकार की आय का अर्जन नहीं हो रहा है। यदि इसी निवेश को उत्पादक कार्यों में लगाया जाय तो देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक गतिशील एवं प्रभावशाली बनाया जा सकता है। अतः भारत में यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि निवेश को अनुत्पादक अस्तियों में घटा कर उत्पादक अस्तियों में लगाया जाय।

अतः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उक्त वर्णित विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत के प्रधानमंत्री, भारतीय नागरिकों से उक्त तीन आग्रह लगातार कर रहे हैं ताकि भारत की आर्थिक विकास दर को अक्षुण बनाए रखा जा सके, भारत में किए गए विदेशी मुद्रा के निवेश को भारत से बाहर निकलने से रोका जा सके एवं भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को और अधिक मजबूत बनाया जा सके ताकि भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में आने वाली किसी भी परेशानी से बचाया जा सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पाकिस्तान के बेतूके सवालः भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्त्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत

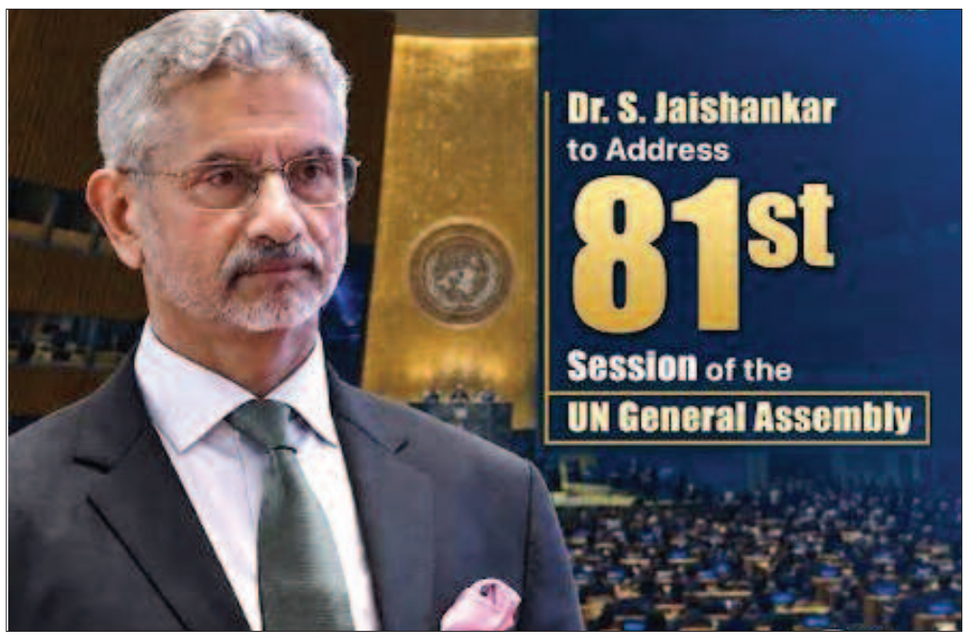

पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निमार्ताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?

छात्रसंघ चुनाव को लेकर पुलिस-प्रशासन ने कसी कमर

अराजकता पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज होने वाले छात्रसंघ चुनाव को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर ली है। महाविद्यालय के मुख्य गेट समेत विभिन्न स्थानों पर पुलिस की विशेष टीमें तैनात रहेंगी। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अराजकता या व्यवधान पैदा करने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार को पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं के साथ बैठक की। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर और पुलिस क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममगाईं ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निर्वाचन प्रक्रिया के निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से अनावश्यक नारेबाजी, विवाद,

कोटद्वार महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर पुलिस कर्मियों को निर्देश देते अधिकारी

आपसी झड़प और हुड़दंग से दूर रहने की अपील की। साथ ही महाविद्यालय परिसर में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में बाहरी व्यक्तियों की अनधिकृत गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी संदिग्ध अथवा विवादित स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को दी जाए, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस-प्रशासन ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान डालने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय की गरिमा और अनुशासन बनाए रखते हुए चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की।

नयार नदी से 13 दिन बाद बरामद हुआ लापता ऋषभ का शव

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : 15 सितंबर की शाम तोल्यों गांव के पास बाइक हादसे के बाद पूर्वी नयार नदी में लापता हुए ऋषभ का शव 13 दिन बाद सोमवार को खैरासैंण के निकट नयार नदी से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

बता दें कि विगत 15 सितंबर को बाइक हादसे के बाद ऋषभ पूर्वी नयार नदी में लापता हो गया था। हादसे के बाद से ही ऋषभ की नदी में लगातार तलाश की जा रही थी। सोमवार को खैरासैंण के समीप कुछ लोगों को एक शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को नदी से बाहर निकाला। जिसके बाद शव की पहचान ऋषभ के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कोटद्वार के मुक्केबाजों ने दिखाया दम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हल्द्वानी में आयोजित राज्य स्तरीय स्कूल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कोटद्वार के मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न भार वर्गों में छः पदक हासिल किए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से स्टेडियम में खुशी का माहौल है।

स्टेडियम इंचार्ज एवं बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि प्रतियोगिता में पार्थ सिंह ने 28 से 30 किलोग्राम भार वर्ग में रजत और शौर्य रावत ने 48 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। बालिका वर्ग में सलोनी ने 75 से 80 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर कोटद्वार का नाम रोशन किया। वहीं शालनी ने 54 से 57 किलोग्राम में रजत, दीपिका ने 42 से 45 किलोग्राम और अपेक्षा ने 44 से 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। कोच ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक हासिल करने वाले खिलाड़ी अगले माह होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर बॉक्सिंग कोच खुशबू, शारीरिक प्रशिक्षक अनीता बिष्ट, सचिन कुमार, विनोद पंत, वीरेंद्र भंडारी, महेश कुकरेती सहित स्टेडियम के अन्य प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने भाबर क्षेत्र में कई स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 176 पव्वे अवैध शराब बरामद की।पुलिस के अनुसार, भाबर क्षेत्र के सिग्गड़ी ग्रोथ सेंटर और कलमगंज क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की। पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम डोभाल ने बताया कि कलमगंज क्षेत्र से विजय कुमार को 62 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं सिग्गड़ी ग्रोथ सेंटर के समीप लोकमणिपुर निवासी सोनू को 54 पव्वे शराब के साथ पकड़ा गया। इसके अलावा नगर क्षेत्र में पुलिस ने काशीरामपुर तल्ला निवासी नंदा देवी को 60 पव्वे अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को कार्रवाई की चेतावनी देते हुए आमजन से भी ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

दुर्गा देवी-मैदावन-रामनगर मार्ग को लेकर उक्रांद का प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र की लाइफलाइन माने जाने वाले दुर्गा देवी-मैदावन-रामनगर मोटर मार्ग को खोलने की मांग को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली। उक्रांद नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मार्ग को यातायात के लिए नहीं खोला गया तो ग्रामीणों को साथ लेकर जनांदोलन शुरू किया जाएगा।

उक्रांद नेता मुकेश बिष्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने रैली निकालकर मार्ग बंद होने के खिलाफ विरोध जताया। रैली के बाद वन अधिकारियों के माध्यम से सरकार को पत्र भेजकर मार्ग को जल्द सुचारू करने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वन अधिनियम के नाम पर क्षेत्र की जनता को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने दुर्गा देवी-मैदावन-रामनगर मोटर मार्ग को इसका

रिखणीखाल में सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली निकालते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

उदाहरण बताते हुए कहा कि मार्ग लंबे समय से बाधित होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने कहा कि मार्ग बंद होने से स्कूली छात्र-छात्राओं, मरीजों, बुजुर्गों और रोजाना आवागमन करने वाले ग्रामीणों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे लोगों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने सरकार और प्रशासन से समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को अपने ही संसाधनों और सुविधाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि मार्ग जल्द नहीं खोला गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस मौके पर दीपक बिष्ट, गब्बर सिंह बिष्ट, संदीप रौतेला, यतेंद्र देवरानी और अभिजीत रावत सहित उक्रांद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएचसी को उप जिला अस्पताल बनाने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश

चिन्यालीसौड़। अपर सचिव मुख्यमंत्री एवं अपर कार्य अधिकारी पर्यटन नरेंद्र भंडारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ को उप जिला अस्पताल के रूप में अपग्रेड करने की कवायद तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सीएचसी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभारी चिकित्साधिकारी से उप जिला अस्पताल के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

टेली-लॉ कार्यशाला में दी निःशुल्क कानूनी परामर्श की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिकों को निःशुल्क कानूनी परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराने और टेली-लॉ सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से न्याय विभाग, भारत सरकार और सीएससी एसपीवी की ओर से कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को टेली-लॉ सेवा के माध्यम से मिलने वाली कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यशाला में भारत सरकार के न्याय विभाग के अवर सचिव गौरव त्रिपाठी ने टेली-लॉ सेवा के उद्देश्य, उपयोगिता और इसके माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क कानूनी परामर्श के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक नागरिकों तक इस सेवा की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि जरूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में कोटद्वार तहसीलदार राजेंद्र सनवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्यशाला के विभिन्न सत्रों और गतिविधियों का अवलोकन किया। सीएससी एसपीवी उत्तराखंड के स्टेट हेड अश्वनी कुमार ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक विभिन्न जनकल्याणकारी एवं नागरिक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। टेली-लॉ भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यशाला के दौरान न्याय विभाग की नम्रता ने टेली-लॉ सेवा की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। वहीं सीएससी एसपीवी टेली-लॉ प्रोजेक्ट के स्टेट कोऑर्डिनेटर अर्पण कोठारी ने सेवा के संचालन, प्रक्रिया और नागरिकों को इससे जोड़ने के संबंध में प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर टेली-लॉ सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वीएलई रेखा, महिपाल और विशाल को सम्मानित किया गया। वहीं न्याय सहायक रजत को टेली-लॉ सेवा को नागरिकों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

शीतकालीन खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

चिन्यालीसौड़। राजकीय इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ में सोमवार को शीतकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग कार्यक्रम के साथ शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपखंड शिक्षाधिकारी लक्ष्मी चमोली ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान अंडर-19 बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में प्रभात रावत ने प्रथम, राजेश पंवार ने द्वितीय और अंशुल चंद रमोला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में स्नेहा प्रथम, आकांक्षा द्वितीय और वैष्णवी तृतीय स्थान पर रही।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला फूंका

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की। देश के विभिन्न हिस्सों में भी कांग्रेस एसआईआर को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

जिलाध्यक्ष विकास नेगी और महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता तहसील तिराहे पर एकत्र हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग केंद्र सरकार के दबाव में काम कर रहा है और उसकी भूमिका निष्पक्ष नहीं रह गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संवैधानिक संस्था होने के नाते निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भूमिका की अपेक्षा की जाती है। वक्ताओं ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाना चाहिए और किसी भी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं

कोटद्वार के तहसील चौक में मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता

किया जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। आयोग ने एसआईआर के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले लोगों के लिए दस्तावेज जमा करने और दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया भी जारी रखी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त से एसआईआर प्रक्रिया में उठ रहे सवालों का समाधान करने और मतदाता सूची को लेकर पारदर्शिता बरतने की मांग की। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर आगे भी अपना विरोध जारी रखेगी। प्रदर्शन में पूर्व अध्यक्ष विनोद डबराल, प्रवीण रावत, साबर सिंह नेगी, रघुबीर सिंह बिष्ट, गीता नेगी, प्रति देवी, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, बलवीर सिंह रावत, शूरबीर खेतवाल, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल, उपेंद्र सिंह नेगी और प्रदीप नेगी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनेरा में सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी का आगाज

उत्तरकाशी। खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को मनेरा खेल मैदान में शुभारंभ हुआ। इस दौरान पहले दिन अंडर 19 बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में साहिल और बालिका वर्ग में दीपिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मनेरा खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान दायित्वधारी प्रताप पंवार, दुग्ध संघ उपाध्यक्ष गिरीश भट्ट, ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार ने संयुक्त रूप से किया। वहीं, युवा कल्याण अधिकारी विजय प्रताप भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता की शुरुआत न्याय पंचायत स्तर से हुई थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर ग्राम मगनपुर, पट्टी हल्दूखाता, तहसील कोटद्वार, के खाता संख्या 27 खेत संख्या 43/8 में भूमि दर्ज कागजात है, जो कि क्रेता शोभा देवी पत्नी रविन्द्र प्रसाद, एवं विक्रेता सुरेश चन्द्र पुत्र महेशानन्द द्वारा दिनांक 28-03-2016 में जिसका बही सं0-01, जिल्द सं0-764, पृष्ठ सं0-305 से 318 क्रमांक संख्या 1048 एवं उक्त भूमि की मूल बयनामा, जिसका क्रमांक 587 जिल्द संख्या 549, के पृष्ठ संख्या 315 से 348 दिनांक 29-03-2006 का पंजीकृत मूल बयनामा जो कि सुरेश चन्द्र एवं विक्रेता हरेन्द्र सिंह पुत्र भूपाल सिंह के नाम दर्ज है। उक्त दोनों मूल दस्तावेज / बयनामा स्थान कोटद्वार अन्तर्गत कहीं गुम हो गये है तथा काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिल पा रहे है। उक्त मूल बयनामा मेरी भूमि से संबंधित है। जिसकी मुझे अति आवश्यकता है।

रमन कुमार तोमर पुत्र विमल कुमार निवासी ग्राम मगनपुर, किशनपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0608/21)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पीएस (ए.सी.ओ.), उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मण्डल द्वारा **हरिद्वार स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (AVM)** के **संचालन हेतु IREPS के माध्यम से ई–बोली दिनांक 16.10.2026 को तथा बिजनौर, हापुड़ एवं हरिद्वार स्टेशनों पर पार्किंग, बालामऊ स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉल (GMU) एवं रामपुर स्टेशन पर पे एंड यूज़ के संचालन हेतु ई–बोलियाँ दिनांक 19.10.2026** को आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

3375/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-HABD-MB-26 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 17.10.2026 को 11:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	MC-15-HABD-MB-26
कार्य का नाम	"Supply, Installation and Commissioning of 12 Nos. Hot Axle Box Detector (HABD) systems at various locations over Moradabad Division with 05 years of CAMC post warranty and need base dismantle, re-installation & calibration".		
निविदा टाइप	खुली	बिडिंग स्टाइल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय	17.10.2026 11:00 बजे		
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	2,36,52,611.39/- रूपये	ऑफर की वैधता	60 दिन
No:- MC-15-HABD-MB-26	दिनांक - 25.09.2026		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3371/26

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 14.10.2026 को 14.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 14.10.2026 समय प्रातः 11.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
11/2026–27	रू0 1180/–	वि०वि० उपखण्ड– स्यूँसी के स्यूँसी अनुभाग के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों में जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने एवं एल०टी० क्लैम्प लगाये जाने का कार्य प्रस्तावित।	45000.00
12/2026–27	रू0 590/–	वि०वि० उपखण्ड– थलीसैंण के अन्तर्गत नये विद्युत संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन निर्माण, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य प्रस्तावित।	24000.00

पत्रांक : 923/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 28.069.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर बरसे महापौर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के विरोध पर कोटद्वार नगर निगम के महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर एसआईआर को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2027 के चुनाव को देखते हुए पार्टी इस प्रक्रिया को राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है।

एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि निर्वाचन आयोग संवैधानिक संस्था है और उसका दायित्व चुनाव प्रक्रिया के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य करना भी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया जा रहा है और भाजपा कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करती है। महापौर ने कहा कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं की

पत्रकारों से वार्ता करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती रही है। उनके अनुसार एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना है और निर्वाचन आयोग इस प्रक्रिया को नियमों के तहत संचालित कर रहा है। निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक स्वार्थ के लिए एसआईआर को मुद्दा बना रही है। महापौर ने कहा कि जब कांग्रेस को चुनाव में हार का सामना करना पड़ता है तो वह कभी ईवीएम तो कभी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। उन्होंने कांग्रेस से चुनावी राजनीति के बजाय धरातल पर काम करने की अपील की। महापौर ने एसआईआर को लेकर न्यायालय के फैसले का भी उल्लेख किया। बिहार में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मई 2026 में निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया को वैध ठहराया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास कार्य किए जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र अंथवाल, सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमन कोटनाला और नगर अध्यक्ष विकासदीप मित्तल मौजूद रहे।

गोविंद गोपाल लड्ढा बनें माहेश्वरी जिला सभा बिजनौर के जिलाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : माहेश्वरी जिला सभा बिजनौर की आमसभा में गोविंद गोपाल लड्ढा को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। कोटद्वार स्थित एक होटल में आयोजित आमसभा में जिला सभा के अंतर्गत आने वाले सभी आठ नगरों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में समाज की ओर से सेवा कार्यों को विस्तार देने का निर्णय लिया गया। इसके तहत माहेश्वरी समाज की ओर से गैर-माहेश्वरी सहित सर्व समाज के लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही जरूरतमंद स्कूली बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग करने की बात कही गई। बैठक में समाज में घटती संख्या को संतुलित करने के उद्देश्य से एक पहल पर भी चर्चा की गई।

निर्णय लिया गया कि समाज के ऐसे दंपती, जिनके यहां तीसरे बच्चे का जन्म होगा, उन्हें नवजात के लालन-पालन के लिए संस्था की ओर से 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके अलावा समाज के बीमार और जरूरतमंद लोगों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक लाख रुपये तक की सहायता राशि देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष गोविंद गोपाल लड्ढा ने कहा कि समाज ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने समाजहित में सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया।

वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, जिला निर्वाचन कार्यालय का किया घेराव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : भारत निर्वाचन आयोग पर कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची में बदलाव के आरोपों को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने पौड़ी में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय का घेराव कर निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग उठाई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूचियों से जुड़े मामलों में उठ रहे सवालों का निर्वाचन आयोग को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने की मांग के साथ उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों तथा मतदाता सूचियों में किए गए बदलावों की स्वतंत्र एवं व्यापक समीक्षा कराने की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी तरह के बदलाव को लेकर यदि सवाल उठ रहे हैं तो निर्वाचन आयोग को तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर अपनी आवाज उठाती रहेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों और आम मतदाताओं के बीच किसी तरह का भ्रम नहीं रहना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों और निर्णयों की जांच सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन में राजपाल बिष्ट, लता रावत, मोहित सिंह, तामेश्वर आर्य, अजय पटवाल, गजपाल गुसाईं, कुलदीप रावत, दिनेश कोहली, यशोदा नेगी, संजय रावत, भरत रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छिनका गांव पहुंची मां चामुंडा की दिवारा यात्रा

गोपेश्वर। रुद्रप्रयाग जिले के खौनू (कोटमाहेश्वरी) क्षेत्र की आराध्य मां चामुंडा देवी की दिवारा यात्रा रात्रि प्रवास के लिए छिनका गांव पहुंच गई है। यहां श्रद्धालुओं ने माता की डोली का जोरदार स्वागत किया।

सोमवार सुबह गोपेश्वर के हल्दापानी में मुख्य यजमान डीएस राणा के हाथों संकल्प पूजाएं संपन्न हुईं। पंडित सत्यानंद भट्ट और राजेंद्र देवशाली ने माता की विभिन्न पूजाएं कराईं। सुबह करीब दस बजे माता की डोली ने भक्तों के साथ प्रस्थान किया और अपराह्न दो बजे छिनका गांव पहुंची।

इस मौके पर दिवारा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सतकारी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तिंदोरी, कीरत सिंह राणा, अमित भट्ट, अनूप भट्ट और संरक्षक त्रिलोक सिंह रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जनता इण्टर कॉलेज कमलपुर संगलाकोटी में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत जूनियर एवं सीनियर वर्ग में विद्यालय स्तरीय चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विजेता प्रतिभागियों को पीटीए अध्यक्षा अंजना रावत, एसएमसी अध्यक्ष अनिल नेगी, ग्राम प्रधान काण्डई देवेन्द्र सिंह रावत, भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री शुभम रावत, भाजपा शक्ति केंद्र संयोजक काण्डई, अनिल सिंह नेगी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य संजय रावत ने शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को विकसित भारत-2047 के निर्माण में सक्रिय सहभागिता एवं निरंतर सहयोग देने की शपथ दिलाई।

आंगनबाड़ी केंद्र गुठिड़ा एवं पुल्यासू में आयोजित हुआ आंगन मिलन कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार की भावना के अनुरूप जनपद में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और लाभार्थियों को बाल विकास विभाग की योजनाओं, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं की जानकारी दी गई।

बाल विकास परियोजना इसी श्रृंखला में कल्जीखाल के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र गुठिंडा एवं पुल्यासू में आयोजित कार्यक्रम में सुपरवाइजर सुनीता तोपाल ने ग्रामीणों एवं लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी सुषमा रावत द्वारा पोषण, बच्चों की वृद्धि निगरानी तथा सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों के बारे में बताया। आशा कार्यकर्त्री ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में धात्री महिला को पुष्टाहार भी वितरित किया गया। ग्राम प्रधान गौरण नऋतु बिष्ट और ग्राम प्रधान गुठिंडा कमल किशोर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं सराहना की। इस अवसर पर आगनबाड़ी कार्यकत्री आराधना कुकरेती, सुनीता बिष्ट, सोनी देवी, पूर्णिमा देवी आदि मौजूद रहे।

किशोरावस्था में होने वाले बदलावों की दी जानकारी

पोखरी (चमोली)। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पोखरी में सेवा संकल्प अभियान और समग्र शिक्षा के तहत बालिकाओं के लिए एडोलसेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। एडोलसेंस प्रभारी प्राची राणा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक बदलावों, यौन शिक्षा और एंटी बुलिंग के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान निबंध, भाषण, वाद-विवाद, नाटक और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं सेवा संकल्प अभियान की संयोजक वत्सला सती, स्टाफ नर्स मीना रावत, प्रधानाचार्य गंभीर सिंह असवाल, प्रवक्ता विजयालक्ष्मी रावत, प्राची राणा आदि मौजूद रहे।

छात्रसंघ चुनाव की तैयारियां पूरी, प्रशासन अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में छात्रसंघ चुनाव को लेकर पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है। छात्र संघ चुनाव को लेकर आयोजित बैठक में चुनाव के दौरान महाविद्यालय परिसर में अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर सोमवार को महाविद्यालय में स्टाफ, छात्र-छात्राओं और प्रत्याशियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। छात्रसंघ चुनाव प्रभारी डॉ. विकास प्रताप ने प्रत्याशियों को चुनाव संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

उन्होंने निर्वाचन संबंधी दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मतदान के दौरान महाविद्यालय परिसर में प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित रहेगा। प्रो. योगेन्द्र चंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं से नियमों का पालन करते हुए मतदान करने की अपील की। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने, चुनाव संबंधी नियमों एवं दिशा-निर्देशों के पालन पर जोर दिया गया। बैठक में सभी कर्मियों को मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में उनके दायित्वों, आवश्यक सावधानियों तथा चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र चंद्र सिंह, छात्रसंघ चुनाव प्रभारी डॉ. विकास प्रताप, डॉ. विमल कुकरेती, डॉ. रोशनी असवाल, डॉ. हरिओम रावत उपस्थित रहे।

एक नजर

सेवा संकल्प अभियान में रंगोली से दिया विकसित भारत का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक सतपुली में रंगोली प्रतियोगिता एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में सुजल और साहिल ने प्रथम, निकिता असवाल और शीतल ने द्वितीय, मन्दीप प्रकाश और तान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार वंश धस्माना और ध्रुव लखेड़ा को दिया गया। वहीं चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ कर महिलाओं और बच्चों को सम्मानित किया गया।

राजकीय पॉलिटेक्निक सतपुली में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने 'विकसित भारत-विकसित उत्तराखंड' विषय पर रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य चमोली गांव यशराज रावत, विशिष्ट अतिथि युवा मोर्चा भाजपा के मंडल महामंत्री आयुष डोबरियाल रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। साथ ही नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इसी क्रम में सेवा संकल्प अभियान के तहत चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में आंगन मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में शीला, नैणी, कोटली, पाटली और चमोलीसैण क्षेत्र की महिलाओं तथा गर्भवती महिलाओं का सम्मान किया गया। बच्चों को फल वितरित कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुष्पा असवाल ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं और बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर जागरूकता और सहयोग की भावना को मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की मालती जुयाल, रेनू घिडियाल, गंगा खंतवाल, ममता ध्यानी, ममता रावत, परमेश्वरी डोभाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण सड़कों से झाड़ी कटान की मांग

नंदानगर। नंदानगर क्षेत्र की विभिन्न ग्रामीण सड़कें बरसात के बाद झाड़ियों से घिर गई हैं। इससे वाहन चालकों और पैदल आवाजाही करने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नंदानगर-बंगाली, भेटी, सुतोल, कुरुड़, सुंग, घूनी, लुणतरा, माणखी, सेरा मोख और कांडई-पगना सड़क पर दोनों तरफ झाड़ियां उगी हुई हैं। झाड़ियों के चलते भालू सहित अन्य जंगली जानवरों के हमले का खतरा भी बना हुआ है। बांजबगड़ निवासी बचन सिंह, बंगाली निवासी अवतार सिंह और भेंटी गांव निवासी कमल सिंह का कहना है कि पहले लोनिवि की लेबर सड़कों के किनारे झाड़ियों की सफाई करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने लोनिवि से ग्रामीण सड़कों पर झाड़ी कटान कर आवाजाही सुगम बनाने की मांग की है।

चमोली से लापता किशोरी पोखरी के गांव में मिली

गोपेश्वर। चमोली कोतवाली क्षेत्र से लापता किशोरी (17) पोखरी क्षेत्र के एक गांव में मिल गई। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। रविवार को चमोली कोतवाली में एक किशोरी के बिना बताए घर से चले जाने की शिकायत मिली थी। इस पर चमोली पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्रों को सूचना देकर किशोरी की तलाश शुरू की। पोखरी पुलिस भी तलाश में जुट गई। इस दौरान जानकारी मिली कि किशोरी पोखरी क्षेत्र के एक गांव में है। चमोली और पोखरी पुलिस की टीम गांव पहुंची और किशोरी को अपने साथ लेकर आई। बाद में उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

ग्राम पंचायत के मिनी सचिवालय का हुआ लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड दुगड्डा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जौरासी में नवनिर्मित मिनी सचिवालय पंचायत भवन का लोकार्पण किया गया। पंचायत भवन ग्राम पंचायत के प्रशासनिक कार्यों, बैठकों और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों के संचालन में उपयोगी होगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चंडी प्रसाद कुकरेती ने भूमि दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भूमि का दान केवल सम्पत्ति का त्याग नहीं, बल्कि गांव समाज के भविष्य और विकास एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए किया गया एक महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को आदर्श ग्राम सभा की श्रेणी में लाने के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि मिनी सचिवालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्राम विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे पंचायत के कार्यों के संचालन और ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पंचायत भवन के निर्माण के लिए निजी भूमि दान करने वाले कलीराम कुकरेती, वेद प्रकाश कुकरेती, सीला देवी कुकरेती, शशिकांत कुकरेती, पंकज कुकरेती, राकेश कुकरेती, राजेश कुकरेती, कांति देवी कुकरेती और कांता देवी कुकरेती की सराहना की गई। इन परिवारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में भूमि दान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूमि दानदाता वेद प्रकाश कुकरेती ने की। इस मौके पर ग्राम प्रधान चंडी प्रसाद कुकरेती, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमन कोटनाला, पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हेमंत बहुखंडी, जिला पंचायत सदस्य प्रमिला देवी बलूनी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) जयदीप रावत, देवेन्द्र बिष्ट, अनूप जोशी, विशाल सैनी, नीरज नेगी, विजय चंदोला, मुकेश डबराल, वीरेन्द्र प्रसाद डबराल, मनोहरी प्रसाद बलूनी आदि मौजूद रहे।

चिन्यालीसौड़ और पुरोला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

चिन्यालीसौड़/पुरोला। चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चिन्यालीसौड़ में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंककर केंद्र सरकार एवं चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।

जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को देना चाहिए। कांग्रेस ने केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में हुए चुनावों को लेकर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

पार्टी नेताओं ने कहा कि जांच में यदि कोई अनियमितता या गैरकानूनी कृत्य सामने आता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस ने आवश्यकता पड़ने पर न्यायिक जांच की मांग भी उठाई। प्रदर्शन के बाद कांग्रेसियों ने तहसीलदार चिन्यालीसौड़ के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शनकारियों में दर्शन लाल, राजेंद्र गुसाईं, देवजन बंठवाण, बीरेंद्र रमोला, नवीन भंडारी, जसबीर चौहान, विनोद जड़ाया, आनंद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

मौसम खुलते ही ब्रह्मकपाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बदरीनाथ। मौसम साफ होते ही बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की चहल-पहल बढ़ गई है। सोमवार को ब्रह्मकपाल में पितरों के निमित्त पिंडदान और तर्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्राद्ध पक्ष में देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। दो दिन तक हुई बारिश के चलते रविवार को बदरीनाथ धाम में यात्रियों की संख्या सीमित रही। खराब मौसम के कारण श्रद्धालुओं को पिंडदान और तर्पण कराने में भी दिक्कतें आईं। सोमवार को मौसम खुलने के बाद बदरीनाथ मंदिर और ब्रह्मकपाल में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई। तीर्थ पुरोहितों के पास दिनभर पिंडदान और तर्पण कराने के लिए श्रद्धालु पहुंचते रहे। ब्रह्मकपाल के तीर्थ पुरोहित हरीश सती ने बताया कि श्राद्ध पक्ष शुरू होने के बाद से ही ब्रह्मकपाल में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। सोमवार को मौसम साफ होने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने पितरों के निमित्त पिंडदान और तर्पण कराया।

20 निराश्रित श्वानों का किया एंटी रेबीज टीकाकरण

विश्व रेबीज दिवस पर पशु चिकित्सा विभाग ने चलाया विशेष अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर रविवार को पशु चिकित्सालय कलालघाटी ने संकल्प फाउंडेशन की सहायता से क्षेत्र में घूमने वाले निराश्रित श्वानों के टीकाकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 20 आवारा श्वानों का एंटी रेबीज टीकाकरण किया गया।

पशु चिकित्सा अधिकारी कलालघाटी डॉ. कुमार सुबोध रंजन ने बताया कि रेबीज जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने और पशुओं के समय पर टीकाकरण आवश्यक है। उन्होंने विभाग की ओर से विश्व रेबीज दिवस के माध्यम से लोगों को रेबीज की रोकथाम, पशु टीकाकरण तथा मानव-पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के अभियान पशु कल्याण के साथ-साथ समुदाय को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रावत ने आमजन से निराश्रित श्वानों के प्रति संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार करने की अपील की। इस दौरान पशुधन प्रसार अधिकारी अजय सुंदरियाल, पैरावेट ओम प्रकाश, आकांक्षा रावत, प्रियांशु आदि मौजूद रहे।

गढ़वाल सांसद के फैसले का कांग्रेस नेता ने किया स्वागत

बाडियू गांव में बनेगा जसवंत द्वार, धरोहर के रूप में विकसित होगा घर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी द्वारा भारत के महान सैन्य वीर जसवंत सिंह की याद में नैनीडांडा ब्लॉक के बाडियू गांव में उनके घर को एक धरोहर के रूप में बनाये जाने एवं गांव में जसवंत द्वार निर्माण के फैसले का स्वागत किया। धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि नैनीडांडा विकासखंड के लोग वर्षों पुरानी यह मांग रही है कि आसपास के कुछ विकासखंडों को मिलाकर जिला जसवंतगढ़ बनाया जाए। इसके लिए स्वर्गीय राम प्रसाद ध्यानी जो कांग्रेस के नेता थे उन्होंने लंबे समय तक संघर्ष किया और पिछले दिनों उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि शहीद जसवंत सिंह ने 1962 के युद्ध में मात्र 21 वर्ष

की आयु में इतिहास रचा था, जब नेफा में उन्होंने 300 से अधिक विरोधी सैनिकों को को मार गिराया था और उनको महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि सांसद अनिल बलूनी ने इस संबंध में जो कदम उठाया है कांग्रेस पार्टी उसका स्वागत करती है, लेकिन यह सब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा वर्षों से किया जा रहे संघर्ष का परिणाम है।

नीलकंठ में 35.45 करोड़ से बन रही बहुमंजिला पार्किंग

यमकेश्वर। नीलकंठ में 35.45 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। उत्तराखंड पेयजल निगम, निर्माण इकाई पौड़ी की ओर से बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट का काम 6 अगस्त 2026 को शुरू हुआ और 5 फरवरी 2028 तक पूरा किया जाना है। पार्किंग को दो ब्लॉक में बनाया जा रहा है। ब्लॉक-ए में चार मंजिला पार्किंग होगी, जिसमें 526 वाहन-306 कार और 220 दोपहिया-पार्क किए जा सकेंगे। ब्लॉक-बी में पार्किंग के साथ सुविधा केंद्र बनेगा।

सिमली बेस अस्पताल के लिए रामलीला स्थगित

कर्णप्रयाग। सिमली में बेस अस्पताल के शासनादेश की मांग के लिए 11 अक्तूबर से शुरू होने वाली रामलीला स्थगित कर दी गई है। इसी दिन से सिमली से देहरादून तक पद यात्रा का आगाज होगा। यह निर्णय सोमवार को बेस अस्पताल संघर्ष समिति और श्री राज राजेश्वरी चंडिका देवी रामलीला कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। मंगलवार से गांवों में बैठकें होंगी। रामलीला कमेटी ने जनहित और स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए यह फैसला किया है। रामलीला मंडली के अध्यक्ष संजय डिमरी ने बताया कि सरकार की नाकामियों के कारण बेस अस्पताल का शासनादेश जारी नहीं हो पाया है। इसी वजह से प्रति वर्ष नवरात्र के पावन पर्व पर होने वाली रामलीला के मंचन को स्थगित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मां चंडिका का नवरात्र पूजन अनवरत जारी रहेगा। बेस अस्पताल संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि पद यात्रा को सफल बनाने के लिए 29 सितंबर से संघर्ष समिति गांव चलो अभियान संचालित करेगी और गांवों में बैठकें होंगी। नवरात्र पर मां चंडिका की पूजा-अर्चना के बाद विशाल जनसमूह के साथ पद यात्रा शुरू होगी।

संक्षिप्त समाचार

87 साल की महिला के खिलाफ पुलिस के एक्शन से हिल गया पूरा स्पेन, सरकार भी सिस्टम बदलने को हुई मजबूर

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शनिवार को हजारों लोगों ने 87 साल की मैरीकारमेन अबासकल को घर से निकाले जाने के विरोध में मार्च निकाला. प्रदर्शनकारियों ने किरायेदारों को ज्यादा सुरक्षा देने, बढ़ते किराए पर रोक लगाने और लोगों को घर से निकालना मुश्किल बनाने की मांग की. इस घटना ने 2027 के आम चुनाव से पहले स्पेन के गंभीर आवास संकट को फिर चर्चा में ला दिया है. मैरीकारमेन अबासकल को बुधवार को उनके घर से निकाला गया था. वह करीब 70 साल से इसी घर में रह रही थीं. पुलिस ने उनके फ्लैट का दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला. उस समय उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाया गया. इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने उनकी बेदखली को सामाजिक त्रासदी बताया है. सरकार अगले कैबिनेट बैठक में मैरीकारमेन डिक्री लाने की तैयारी कर रही है. इसमें किराए के समझौतों को अपने-आप आगे बढ़ाने और बेदखली पर और पाबंदियां लगाने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं. हालांकि, संसद में सरकार के पास बहुमत नहीं है, इसलिए प्रस्ताव का पास होना तय नहीं है. मैरीकारमेन की तस्वीरें सामने आने के बाद स्पेन में आवास संकट को लेकर गुस्सा बढ़ गया. शनिवार के प्रदर्शन में लोग चाबियां बजाते, सीटी बजाते और नारे लगाते हुए मध्य मैड्रिड से गुजरे. एक बैनर पर लिखा था- अगली मैरीकारमेन आप हो सकती हैं. सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शन में करीब 25 हजार लोग शामिल हुए. वहीं, आयोजकों ने दावा किया कि करीब 3 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया. मैरीकारमेन के मुताबिक, जिस रियल एस्टेट कंपनी ने उनकी संपत्ति खरीदी, उसने उनका किराया 275% बढ़ाकर 2,650 यूरो कर दिया था. इसके बाद वह घर का बढ़ा हुआ किराया नहीं दे सकीं. अस्पताल से जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की. उन्होंने कहा कि उनके साथ जो हुआ, वह दूसरों के साथ न हो और कानून में बदलाव के लिए लोग आवाज उठाएं. बैंक ऑफ स्पेन के मुताबिक, करीब 5 करोड़ आबादी वाले स्पेन में 7 लाख घरों की कमी है. देश में सरकारी आवास भी कम है. पर्यटन और बढ़ती आबादी के कारण घरों की मांग और किराए दोनों बढ़े हैं।

अमेरिका के अल्बामा में टिकटॉक ने 958 करोड़ रुपये का समझौता किया

अल्बामा , एजेंसी। टिकटॉक और उसकी पैरेंट कंपनी बाइट डांस ने अमेरिकी राज्य अल्बामा के साथ 100 मिलियन डॉलर (958 करोड़ रुपये) का ऐतिहासिक समझौता किया है, जिससे किशोरों में सोशल मीडिया की लत और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा टल गया है। इस समझौते के तहत, अल्बामा में किशोरों के ऐप इस्तेमाल करने पर कई सख्त पाबंदियां लागू की जाएंगी।

चंद्रमा पर बिजली बनाएंगे बेजोस बनाया 20 मीटर ऊंचा सोलर टावर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कारोबारी जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने भविष्य के मून बेस को ऊर्जा देने के लिए एक विशालकाय 20 मीटर ऊंचे सोलर 'पावर टावर' का निर्माण किया है। चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव बस्तियों को बनाए रखने के लिए बिजली का संकट सबसे बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए इस वर्टिकल सोलर ऐरे सिस्टम को डिजाइन किया गया है।

4.27 सेकंड में रूबिक्स क्यूब सेट कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

बीजिंग, एजेंसी। चीन की 6 वर्षीय लियान युनजी (झिझि) ने मात्र 4.27 सेकंड में 3×3×3 रुबिक्स क्यूब सेट करने का महिला वर्ग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन की प्रतियोगिताओं में यह कीर्तिमान स्थापित किया। सिचुआन प्रांत के चेंगदू की रहने वाली झिझि प्रतिदिन 2 से 3 घंटे तक रुबिक्स क्यूब का अभ्यास करती हैं। उन्होंने रुबिक्स क्यूब के लिए 1,300 से ज्यादा एल्गोरिदम पर महारत हासिल की है। रूबिक क्यूब को सबसे कम समय में हल करने का रिकॉर्ड पोलैंड के टियोडोर जाजडर के नाम है, जिन्होंने इसे 2.76 सेकंड में हल किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का रूस ने समर्थन किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का जोरदार समर्थन किया. साथ ही पश्चिमी देशों के पुनः प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी.

संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया के नेताओं को संबोधित करते हुए लावरोव ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी भी सुधार से परिषद और उसके परमानेंट सदस्यों के खास अधिकार कम नहीं होने चाहिए. मॉस्को के उसूलों वाले रुख को बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि सुधारों में पश्चिमी देशों को और सीटें देने से बचना चाहिए.

लावरोव ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार में पश्चिमी देशों, खासकर जर्मनी और जापान को अतिरिक्त सीट नहीं दी जा सकती, जो अब सैन्यवाद और बदला लेने की राह पर हैं.' ज़्यादा सबको साथ लेकर चलने वाले और भौगोलिक रूप से संतुलित वैश्विक वास्तुकला की वकालत करते हुए रूसी विदेश मंत्री ने ग्लोबल साउथ से पुनः प्रतिनिधित्व बढ़ाने का ज़ोरदार समर्थन किया.

लावरोव ने कहा, 'हम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के रिप्रेजेंटेशन को बढ़ाने के पक्ष में हैं. हम परमानेंट सीट के लिए ब्राजील और भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं. और साथ ही, मैं इस बात पर

ज़ोर देना चाहता हूं कि हमें इजराइली आम सहमति और एसईएटी घोषणा के अनुसार अफ्रीकी महाद्वीप के हितों को पूरा करना चाहिए।

रूस समेत ब्रिक्स देशों ने पहले नई दिल्ली डिक्लेरेशन में संयुक्त राष्ट्र जिसमें सुरक्ष परिषद भी शामिल है, में ब्राजील और भारत की बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीदों के लिए अपना सपोर्ट दोहराया था. संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में चल रही आम बहस के दौरान इसी मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए दुनिया भर के नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि परिषद को आज की जियोपॉलिटिकल और इकोनॉमिक हकीकतों को दिखाने की तुरंत जरूरत है. मॉरिशस ने अपने भाषण के दौरान भारत की दावेदारी का साफ तौर पर समर्थन किया. मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने नई दिल्ली का साथ देते हुए कहा, 'हम काउंसिल सुधार पर जी4 और एल69 की बातों का सपोर्ट करते हैं, और हम ग्लोबल मामलों में भारत की कंस्ट्रक्टिव भूमिका के हिसाब से परमानेंट सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना सपोर्ट दोहराते हैं। भारत को अपने सपोर्ट के साथ-साथ, मॉरिशस ने कॉमन अफ्रीकन पोजीशन का भी समर्थन किया, जिसमें सही रीजनल रिप्रेजेंटेशन, नए परमानेंट मेंबर्स के लिए समान अधिकार और छोटे आइलैंड डेवलपिंग देशों के लिए खास जगह देने पर ज़ोर दिया गया. पुर्तगाल ने भी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की मांग को और बढ़ाया, पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अफ्रीका, ब्राजील और भारत के लिए परमानेंट रिप्रेजेंटेशन वाली एक ज़्यादा रिप्रेजेंटेटिव काउंसिल की वकालत की. नई दिल्ली की महत्वाकांक्षाओं को चार देशों के जी4 अलायंस के जरिए अप्रत्यक्ष सपोर्ट मिला. मार्शल आइलैंड्स की प्रेसिडेंट हिल्डा हेइन ने यह सपोर्ट करते हुए कहा, 'मार्शल आइलैंड्स संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परमानेंट मेंबरशिप हासिल करने के लिए जापान और उसके जी4 पार्टनर्स को अपने लंबे समय से सपोर्ट की पुष्टि करता है.' जबकि जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने अपने भाषण में अलग-अलग जी4 कैंडिडेट का नाम नहीं लिया, टोक्यो ने रिफॉर्म को सबसे आगे रखा. तेजी से स्ट्रक्चरल बदलावों का आग्रह करते हुए ताकाइची ने कहा, 'हमें इसे बिना देर किए एक ऐसे स्ट्रक्चर में बदलने की जरूरत है जो सही मायने में अंतरराष्ट्रीय समदाय की मौजूदा हकीकत को दिखाए.' उन्होंने आगे परमानेंट और नॉन-परमानेंट दोनों कैटेगरी में विस्तार की वकालत की, और मेंबर देशों के बीच व्यापक सहमति पर ध्यान दिया. अन्य अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने कैंडिडेट देशों का नाम बताए बिना रीजनल बराबरी पर ज़ोर दिया. फिनलैंड के प्रेसिडेंट अलेक्जेंडर स्टब ने वीटो पावर कंसंट्रेशन को मना करते हुए अफ्रीका, एशिया-पैसिफ़िक और लैटिन अमेरिका के लिए परमानेंट स्लॉट का समर्थन किया, जबकि सेंट लूसिया के प्राइम मिनिस्टर फिलिप जे. पियरे ने लंबी बातचीत को तुरंत खत्म करने की अपील की. पियरे ने कहा, 'अफ्रीका, एशिया-पैसिफिक, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन रीजन के लिए परमानेंट और नॉन-परमानेंट मेंबरशिप बढ़ाने के लिए लंबे समय से चल रहे रिफ़ॉर्म प्रोसेस को जल्दी खत्म किया जाना चाहिए.' अफ्रीकी देशों ने संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी सिक्योरिटी बॉडी के हिस्टॉरिकल इम्बैलेंस को लेकर एक साथ मिलकर काम किया. भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान के साथ जी4 फ्रेमवर्क के तहत काम करते हुए अपनी बड़ी आबादी, तेज इकोनॉमिक ग्रोथ, ,संयुक्त राष्ट्र पीसकीपिंग में बड़े पैमाने पर योगदान और ग्लोबल साउथ के लिए एक मुख्य आवाज़ के तौर पर अपनी स्थिति पर अपनी बात रखता आ रहा है।

बैंकॉक में बाढ़- गाड़ियां डूबीं, बसों में भरा पानी: सड़कों पर सांप घूम रहे, 48 घंटे में 300 मिमी बारिश

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारी बारिश के बाद बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियां डूब गई और बसों में भी पानी घुस गया। कई इलाकों में लोग कमर तक भरे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। इस बीच, बाढ़ के पानी में सांप दिखाई देने की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं। प्रशासन ने शहर के सभी 50 जिलों को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। मौसम विभाग ने 27 सितंबर तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। बैंकॉक के कुछ इलाकों में शनिवार तक 48 घंटे के दौरान करीब 300 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश से प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं।

सड़कों पर कमर तक पानी, लोग मोटरसाइकिल धकेलते दिखे : बाढ़ के कारण पूर्वी बैंकॉक के कई इलाकों में लोग घुटनों और कमर तक भरे पानी से गुजरते नजर आए। कुछ लोग पानी में फंसी मोटरसाइकिलों को धकेलते दिखे, जबकि कई सड़कों पर कारें आधी डूबी हुई थीं। जलभराव वाले इलाकों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कुछ दुकानों में जरूरी सामान की कमी भी सामने आई है। लोग खाने-पीने की चीजें खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से घबराने की जरूरत नहीं होने की अपील की है। सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला भी लिया गया है।

4200 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे : बैंकॉक प्रशासन के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 233 अस्थायी राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें करीब 4200 लोग शरण ले चुके हैं। प्रधानमंत्री अनुटिन चार्नविराकुल लंदन का दौरा बीच में छोड़कर बैंकॉक लौट आए हैं।

थाईलैंड के 21 प्रांतों में भी बाढ़ जैसे हालात : थाईलैंड के आपदा रोकथाम और राहत विभाग के मुताबिक, शनिवार को देश के 21 प्रांतों में भी बाढ़ जैसे हालात है। मौसम विभाग ने रविवार को देश के ज्यादातर हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। इससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। हालांकि, कुछ इलाकों में बारिश कम होने के बाद प्रशासन ने पानी निकालने का काम तेज कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, बारिश नहीं हुई तो जलस्तर धीरे-धीरे घट सकता है।

सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई : बैंकॉक के ड्रेनेज और सीवरेज विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। 1 से 25 सितंबर के बीच राजधानी में 487 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 1991 से 2020 के बीच इसी अवधि का औसत करीब 269 मिलीमीटर था।

हूती हमलों के मद्देनजर सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करेंगे पाकिस्तान, तुर्किये

इस्लामाबाद , एजेंसी। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने यमन के हूती विद्रोहियों के हालिया हमलों के मद्देनजर 'मक्का रक्षा गठबंधन' के तहत सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करने का संकल्प लिया है. पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी. तीनों देशों ने पिछले महीने एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें सामूहिक रक्षा की व्यवस्था की गई है. समझौते के अनुसार, किसी एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा. सेना के एक बयान के अनुसार, तीनों देशों के रक्षा बलों के प्रमुखों और 'चीफ्स ऑफ जनरल स्टाफ' की बैठक शुक्रवार को रियाद में हुई. बैठक में सऊदी अरब की सुरक्षा स्थिति और उसके सामने मौजूद खतरों की समीक्षा की गई. बयान में कहा गया, ''प्रतिभागियों ने सामूहिक रक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के तीनों देशों के संकल्प को दिखाया.'' बयान के अनुसार, प्रतिभागियों ने पवित्र शहर मक्का तथा असैन्य और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए हमलों पर नाराजगी जताई. उन्होंने सऊदी अरब के सशस्त्र बलों की सतर्कता और पेशेवर रवैये की सराहना की. बैठक में तीनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को और बढ़ाने तथा खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य समन्वय और क्षमताओं के एकीकरण को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई. सेना के अनुसार, प्रतिभागियों ने कहा कि रियाद में हुई बैठक तीनों देशों की रक्षा साझेदारी की मजबूती और 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' के तहत की गई प्रतिबद्धताओं को तत्काल प्रभावी सैन्य सहयोग में बदलने के साझा संकल्प को दर्शाती है. यह बैठक तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की न्यूयॉर्क में हुई मुलाकात के एक दिन बाद हुई. उस बैठक में उन्होंने सऊदी अरब के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा की थी. पाकिस्तान ने बुधवार को पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल नौमान महमूद को इस त्रिपक्षीय गठबंधन का पहला महासचिव नियुक्त किया था।

नॉरईस्टर ने अमेरिका में मचाई तबाही: समंदर उफना, सड़कें डूबीं और हजारों घरों की बिजली गुल, सड़कों पर चलीं नावें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में शनिवार को एक बेहद ताकतवर और धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहे नॉरईस्टर तूफान ने जमकर कहर बरपाया। तेज हवाओं ने जगह-जगह बिजली की सप्लाई ठप कर दी, जबकि ऊंची समुद्री लहरों और लगातार हो रही बारिश ने तटीय इलाकों में हालात बिगाड़ दिए। इस तूफान की चपेट में करोड़ों लोग आए और एक समय क्षेत्र में करीब एक लाख बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के रह गए। मौसम विभाग ने साफ किया कि फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा के प्रमुख पूर्वानुमानकर्ता बॉब ओरावेक ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पूर्वी अमेरिका में तेज हवाओं, ऊंची ज्वार-लहरों और भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

ऊंची लहरों और ज्वार ने तटीय इलाकों में बढ़ाई मुसीबत : मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार रात से रविवार तक न्यू जर्सी के अटलांटिक सिटी के उत्तर में समुद्र का ज्वार सबसे ज्यादा ऊंचा रहने की आशंका थी। इससे समुद्र के किनारे और खाड़ी वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर सड़कें डूबने का खतरा पैदा हो गया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा,

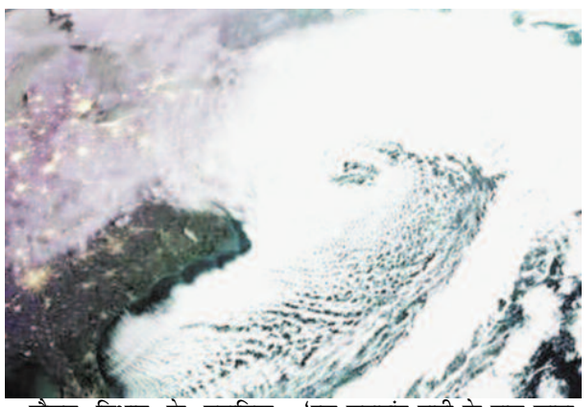

'इस सप्ताहांत पानी के पास जाना या पानी में उतरना अपनी जान को दांव पर लगाने जैसा है।'

लॉन्ग आइलैंड की सड़कों पर चलीं नावें और कयाक : न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में पानी इतना भर गया कि कुछ लोग सड़कों पर कयाक चलाते नजर आए। न्यू जर्सी के तटीय इलाके सर्फ सिटी में मरीना चलाने वाले केनी फॉर्मिका घर बैठे अपने सुरक्षा कैमरों पर पानी को मरीना के अंदर घुसते देख रहे थे। फॉर्मिका ने बताया कि उनके मरीना की इमारत के अंदर पानी पहुंचना बेहद दुर्लभ है। उन्हें आखिरी बार ऐसा 2012 में आए हरिकेन सैंडी के दौरान याद है। उस तूफान में उनके कारोबार को 40 लाख डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। तूफान से पहले कर्मचारियों ने डॉक की रस्सियां मजबूत कर दी थीं, खुले में रखी चीजों और उपकरणों को सुरक्षित जगह पहुंचा दिया था। मरीना के ट्रक और फोर्कलिफ्ट भी परिसर की सबसे ऊंची जगह पर खड़े कर दिए गए थे। एक ग्राहक ने सुबह करीब 4 बजे उन्हें वीडियो भेजा, जिसमें उनकी 25 फुट लंबी नाव लिफ्ट से उखड़कर बहती दिखाई दे रही थी। फॉर्मिका ने कहा, 'यह करीब 8,000 पाउंड यानी लगभग 3,600 किलो की नाव है।

नेपाल में एक और त्रासदी: हिमलुंग हिमाल बेस कैंप में अचानक हिमस्खलन, 10 लोग लापता; कई दिन से हो रही थी बर्फबारी

काठमांडो , एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में तिब्बत की सीमा के पास स्थित हिमलुंग हिमाल के बेस कैंप में रविवार सुबह भीषण हिमस्खलन हुआ। इस हादसे के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। लापता लोगों में अलग-अलग पर्वतारोहण अभियानों से जुड़े लोग शामिल हैं। अभियान आयोजकों के मुताबिक, दो लापता लोग रसोई में काम करने वाले कर्मचारी हैं। इलाके में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी और खराब मौसम के कारण पर्वतारोहण अभियान पहले ही मुश्किल हो गए थे।

हिमलुंग हिमाल में आखिर क्या हुआ : अभियान आयोजक मिंगमा ग्यालजे शेरपा के मुताबिक, हिमस्खलन रविवार सुबह आया। उन्होंने बताया कि उनके रसोई कर्मचारियों में से दो लोग भी लापता हैं। पिछले सप्ताह मौसम को लेकर चेतावनी जारी होने के बाद पर्वतारोहण दल और रस्सी लगाने वाली टीमें पहाड़ की ढलानों से नीचे लौट आई थीं। हालांकि, कुछ लोग वहां रुक गए थे। रविवार को आए हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी मिली है। ये सभी लोग अलग-अलग अभियान कंपनियों से जुड़े हुए थे।

क्या कई दिनों से लगातार हो रही थी बर्फबारी : हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी। खराब मौसम के कारण पर्वतारोहियों को शरद ऋतु में होने वाली चढ़ाई से पीछे हटना पड़ा था। लगातार बारिश और बर्फबारी ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में हालात और मुश्किल कर दिए हैं। मौसम बिगड़ने के बाद पर्यटन अधिकारियों ने ट्रेकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों को रोकने की सलाह दी है। पर्यटन विभाग ने भी लोगों को मौसम साफ होने तक पर्यटन गतिविधियां स्थगित रखने को कहा है।

कितने मीटर ऊंचा है हिमलुंग हिमाल : हिमलुंग हिमाल की ऊंचाई 7,126 मीटर है और यह नेपाल के मनांग जिले में स्थित है। ऊंचाई पर पर्वतारोहण का अनुभव हासिल करने वाले पर्वतारोहियों के बीच यह चोटी काफी लोकप्रिय है। हालांकि, यहां पहुंचना आसान नहीं है। हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उड़ाने के लिए अतिरिक्त अनुमति की जरूरत होती है। ऐसे में किसी हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान चलाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लापता लोगों की तलाश के बीच खराब मौसम इस चुनौती को और बढ़ा रहा है।

नेपाल में क्यों बिगड़े हैं मौसम के हालात : बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने मौसम तंत्र का असर नेपाल के कई हिस्सों में दिखाई दे रहा है। पहाड़ों में भारी बर्फबारी हो रही है, जबकि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार से खराब मौसम के कारण नेपाल में कई जगह सड़क यातायात प्रभावित हुआ है।

55 महीने में पहली बैठक: यूएस में जर्मनी-रूस के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, 20 मिनट में ईयू से नाटो तक बातचीत

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर शनिवार को जर्मनी और रूस के विदेश मंत्रियों की आमने-सामने मुलाकात हुई। रूस के यूक्रेन पर 2022 में पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच यह पहली ऐसी सीधी मुलाकात मानी जा रही है। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूरोपीय संघ और रूस के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और इसके कुछ ही देर बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया।

टकराव बढ़ाने वाला रास्ता छोड़िए : बैठक में जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने रूस से जर्मनी, यूरोप और नाटो के साथ तनाव बढ़ाने वाली अपनी 'खतरनाक राह' छोड़ने की अपील की। जर्मन प्रतिनिधिमंडल के एक अधिकारी के मुताबिक, वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी रूस के साथ रिश्ते बेहतर करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए रूस के नेतृत्व को यूक्रेन में युद्ध खत्म करने की वास्तविक इच्छा दिखानी होगी। हाल के हफ्तों में रूस और जर्मनी के रिश्तों में तनाव और बढ़ा है। पिछले महीने लीपजिग एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले की कोशिश हुई थी। जर्मनी ने इसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद दोनों देशों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ जवाबी कदम भी उठाए गए। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के मुताबिक, दोनों विदेश मंत्रियों की करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। बैठक के लिए जगह रूसी पक्ष की ओर से उपलब्ध कराई गई थी। बातचीत खत्म होने पर दोनों मंत्रियों ने एक-दूसरे से हाथ भी मिलाया।

वाडेफुल से मुलाकात के बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच पर पहुंचे। अपने भाषण में उन्होंने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस का पक्ष रखा और पश्चिमी देशों पर जमकर निशाना साधा। जर्मनी भी उनके निशाने पर रहा। लावरोव ने खास तौर पर जर्मनी और जापान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता देने की चर्चा का विरोध किया। अमेरिका लंबे समय से जर्मनी, जापान और भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दिए जाने का समर्थन करता रहा है।

नाटो और अमेरिका की आलोचना करते हुए लावरोव ने कहा कि पश्चिम अब भी 'अपने विशेषाधिकार बनाए रखने और अपने नियम दूसरों पर थोपने' की कोशिश कर रहा है, जबकि दुनिया में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी आंखों के सामने एक अधिक न्यायपूर्ण, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था उभर रही है।' रूस ब्रिक्स समेत कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय समूहों का हिस्सा है, जिन्हें लावरोव पश्चिमी व्यवस्था के विकल्प के तौर पर पेश करते रहे हैं। मॉस्को भी लगातार यह संदेश देने की कोशिश करता रहा है कि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के साथ टकराव के बावजूद वैश्विक मंच पर रूस की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

यूएन महासभा: जयशंकर की कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात, ऊर्जा और एआई पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई। जयशंकर ने इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अलग-अलग देशों के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कनाडा के साथ रिश्तों को लेकर क्या हुई बात : जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की। उन्होंने इस मुलाकात को उपयोगी बताया। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत और कनाडा के संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में दोनों पक्षों की बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मेक्सिको के विदेश मंत्री से जयशंकर ने क्या चर्चा की : जयशंकर ने मेक्सिको के विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर

ने इस बैठक की जानकारी भी साझा की। भारत और मेक्सिको के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग रहा है और संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई यह बैठक दोनों देशों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने का अवसर बनी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में बैठक में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे का अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया है।

वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग क्यों अहम रहा : जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वेनेजुएला के विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया गोंजालेज से मुलाकात की। उन्होंने बैठक को अच्छा बताया। जयशंकर के अनुसार, भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा संबंधों में तेजी आ रही है। दोनों देशों के बीच सहयोग के दूसरे क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा रहे। ऊर्जा क्षेत्र भारत और वेनेजुएला के संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए इस बैठक में इस मुद्दे पर विशेष ध्यान रहा।

एआई को लेकर भारत ने क्या रुख रखा : इन द्विपक्षीय बैठकों से पहले जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर भारत की सोच भी रखी। उन्होंने कहा कि हर देश को अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के अनुसार अपना एआई तंत्र तैयार करने का अधिकार है। इसके लिए देश अपने मॉडल विकसित कर सकते हैं और उनके इस्तेमाल की रणनीति तय कर सकते हैं। भारत एआई को ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी के एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। जयशंकर ने एआई को मानव सशक्तीकरण, आर्थिक समृद्धि और बड़े पैमाने पर लोगों की समस्याओं के समाधान में बदलाव लाने वाली तकनीक बताया। उन्होंने तकनीक को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और अलग-अलग संस्कृतियों को समझने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने फरवरी में एआई इंपैक्ट समिट की मेजबानी की थी, जिसमें इस क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रमुख लोग शामिल हुए थे। कुल मिलाकर, संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान जयशंकर की इन बैठकों में भारत के अलग-अलग साझेदार देशों के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिखाई दिया। कनाडा के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने, मेक्सिको के साथ द्विपक्षीय संपर्क बढ़ाने और वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग को गति देने पर चर्चा हुई।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

पर्सनल स्पेस में प्रोफेशनल लाइफ हो रही है हावी तो इन टिप्स को करें फॉलो

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल के चलते प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ खराब होने लगी है। कंपनी को ऐसा लगता है कि वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के कारण वह अपने इंप्लाई को कभी भी फोन कर सकते हैं और उन्हें कभी भी काम करने को कह सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में अपनी नौकरी को बचाने के लिए इंप्लाई को ओवरटाइम काम करना पड़ता है। यहीं कारण है जिसके कारण पर्सनल लाइफ के लिए आजकल के युवा को समय नहीं मिलता है और उनकी लाइफ में दिक्कत आने लगती हैं। हालांकि कुछ टिप्स को अपनाकर आप भी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को अलग रख सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

अगर आप वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के तौर पर काम कर रहे हैं तो आपको समय पर लॉग इन करना चाहिए और समय पर ही लॉग आउट करना चाहिए। अगर आपका बॉस आपको रोजाना ओवरटाइम काम करने को कह रहा है तो आपको उसकी शिकायत करनी चाहिए।

ब्रेक लें

वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग में आपको काम के साथ बीच- बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। आधे घंटे का ब्रेक लेकर आप खुद के काम को कर सकते हैं। इससे आपको खुद के लिए भी समय मिलता रहेगा।

परिवार के लिए समय

कई बार ऑफिस का काम होने के बाद लोग अपने फोन यानी सोशल मीडिया में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि आपको स्क्रीन टाइम कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बचा हुआ समय आपको परिवार को देना चाहिए या फिर आप नई चीजों को सीखने के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

काउंसलिंग लें

अगर आप इन चीजों को फॉलो करने के बाद भी अपनी प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस से अलग नहीं रख पा रहे हैं तो आपको काउंसलिंग लेने की जरूरत है। काउंसलिंग की मदद से आप अपने प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस में हावी नहीं होने देगें।

नाश्ते में बनाएं राजस्थानी वड़ा गलगल का अचार और पौष्टिक चीला

गलगल का अचार

क्या चाहिए - गलगल- 2 किलो, हरी मिर्च- 250 ग्राम, अदरक- 250 ग्राम, सरसों का तेल- 200 मि.ली, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 2 बड़े चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, हींग- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, काला नमक- 2 बड़े चम्मच, सादा नमक- 1 बड़ा चम्मच, शक्कर- 200 ग्राम।

ऐसे बनाएं - एक बड़े बर्तन में पानी को तेज़ आंच पर गर्म करें। उबाल आने पर साबुत गलगल (नींबू) डालकर 3-4 मिनट उबालें। पानी निथारकर गलगल को पोंछकर सुखा लें। इनको एक इंच के टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। हरी मिर्च को एक इंच टुकड़ों में काटें। अदरक के भी एक इंच लंबे कतरे करें। पैन में सरसों का तेल मध्यम से तेज़ आंच पर गर्म करें। जब इसमें से धुआं निकलने लगे तो इसे आंच से हटा दें। तेल को दस मिनट तक ठंडा करें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग, अजवाइन, मेथी दाने, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें डालें गलगल, अदरक और हरी मिर्च। अच्छी तरह से मिलाकर जार में भरें। जार को 15-20 दिन के लिए धूप में रखें जब इसका रंग गहरा और नींबू मुलायम न हो जाए। तैयार अचार को पराठों, चीले आदि के साथ परोसें।

राजस्थानी पौष वड़ा

क्या चाहिए - चावली दाल- 1 कप, चना दाल- 1/2 कप, मूंग की धुली दाल- 1/2 कप, मेथी दाने- 2 छोटे चम्मच, साबुत धनिया- 2 छोटे चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, लौंग- 4, काली मिर्च- 5, हरी मिर्च- 3 कटी हुई, अदरक- 1/2 छोटा चम्मच कटी हुई, हरा धनिया- थोड़ा-सा कटा हुआ, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए।

ऐसे बनाएं - सभी दालों को रातभर अलग-अलग पानी में भिगोकर रखें। फिर इन्हें निथारकर दरदरा पीस लें। दालों को पीसते समय अगर पानी कम लगे तो 1-2 बड़े चम्मच पानी डाल सकते हैं। ज्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे घोल पतला हो जाएगा। लौंग, काली मिर्च, मेथी दाने और साबुत धनिया को भी अलग से दरदरा पीस लें। बोल में पीसी हुई दालें, पीसे हुए मसाले समेत सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। एक-एक करके घोल के वड़े तेल में डालें। वड़ों को मध्यम आंच पर सुनहरा-भूरा और कुरकुरा होने तक तलें। चाय या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म वड़े परोसें।

मेथी पालक चीला

क्या चाहिए - पालक- 1 कप कटी हुई, मेथी- 1/4 कप कटी हुई, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, पुदीना- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 कटी हुई, अदरक- 1/4 छोटा चम्मच कटी हुई, बेसन- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, तेल- सेंकने के लिए।

ऐसे बनाएं - बोल में बेसन, पालक, मेथी, मसाले समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल बनाएं। अब गर्म तवे पर तेल लगाएं और घोल से चीला फैलाएं। चीले पर तेल लगाते हुए दोनों तरफ़ से सेंकें। जब यह सुनहरा हो जाए तो इस पर कीसा हुआ पनीर और पसंदीदा चटनी लगाएं। इसे अचार के साथ भी परोस सकते हैं।

इन चार वजहों से मशीन वॉश करने के बाद कपड़ों पर नजर आते हैं सफेद दाग

कपड़े किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। अगर हम साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं तो इससे हमारा फर्स्ट इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ता है। यही कारण है कि लोग एक बार पहनने के बाद कपड़ों को मशीन वॉश करना पसंद करते हैं। लेकिन आपने कई बार देखा होगा कि जब आप कपड़ों को मशीन वॉश करते हैं तो अक्सर उनमें सफेद दाग नजर आते हैं। कपड़ों को धोने के बाद भी जब उन पर सफेद धारियां या धब्बे नजर आते है तो यकीनन मन में एक निराशा पैदा होती है। ऐसे में कपड़ों को दोबारा धोने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता है। लेकिन कपड़ों के पूरे बैच को दोबारा धोना यकीनन काफी समय लेने वाला होता है। हालांकि, क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि मशीन में कपड़े धोने के बाद भी उनमें सफेद दाग क्यों नजर आते हैं। दरअसल, इसके पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं।

पाउडर डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना

कपड़ों को धोने के बाद उन पर सफ़ेद दाग नजर आने का एक मुख्य कारण पाउडर डिटर्जेंट का उपयोग है। अक्सर पाउडर डिटर्जेंट मशीन के पानी में उस तरह से घुलता नहीं है जैसा उसे घुलना चाहिए, जिससे कपड़ों पर धारियां पड़ जाती हैं। इसलिए, अगर आप कपड़ों पर नजर आने वाले इस सफेद दाग की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं तो पाउडर डिटर्जेंट से लिक्विड डिटर्जेंट पर स्विच करने पर विचार करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना

कपड़ों का धोते समय डिटर्जेंट की मात्रा भी बहुत मायने रखती है। कई बार लोग बेहतर सफाई के चक्कर में जरूरत से ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से अवशेष रह सकते हैं क्योंकि यह पूरी तरह से घुल नहीं सकता या धोने के दौरान बाहर नहीं निकल सकता। इसलिए, आप सीमित मात्रा में ही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। अगर आपके कपड़ों पर किसी तरह के दाग है तो डिटर्जेंट की मात्रा बढ़ाने के स्थान पर पहले स्पॉट ट्रीटमेंट की मदद से दाग को क्लीन करें।

मशीन ओवरलोड होना

अमूमन लोग एक बैच में ज्यादा से ज्यादा कपड़े धोने की कोशिश करते हैं, जिससे समय की बचत हो सके। लेकिन वास्तव में इसका खामियाजा कपड़ों को भुगतना पड़ता है। ओवरलोड वॉशिंग मशीन पानी के फ्लो और ड्रेनेज को बाधित कर सकती है। इसलिए, डिटर्जेंट पूरे लोड तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे कपड़े सही तरह से धुल नहीं पाते हैं। कपड़ों पर बची हुई गंदगी, झाग, धूल के कारण सफेद अवशेष रह जाते हैं। ऐसे में उन कपड़ों को दोबारा धोना पड़ता है। इसलिए, आप अपनी मशीन में बहुत ज्यादा पानी न भरें, चाहे आपके पास समय की कमी क्यों न हो।

मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर का बंद होना

अक्सर हमारा ध्यान इस ओर नहीं जाता है, लेकिन मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर बंद हो जाने की स्थिति में लिंट, अघुलनशील डिटर्जेंट और गंदगी आपके कपड़ों पर फिर से जम सकती है। इसलिए, नियमित अंतराल पर फ़िल्टर को साफ़ करने का नियम बनाएं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके अधिक बेहतर साफ होते हैं।

खर्चों और सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय : सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

ट्रैकर्स एवं पोर्टर्स की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : धामी

मुख्यमंत्री ने सचिव, आपदा प्रबंधन से दूरभाष पर ली राहत एवं बचाव अभियान की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी के कारण फंसे ट्रैकर्स के संबंध में सचिव, आपदा प्रबंधन से दूरभाष पर वार्ता कर राहत एवं बचाव अभियान की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ट्रैकिंग एवं पर्वतारोहण के लिए उच्च हिमालयी क्षेत्रों में गए सभी ट्रैकर्स एवं पोर्टर्स की सुरक्षित वापसी सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में सभी आवश्यक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित निकाला जाए। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में गए पर्यटकों को सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए आवश्यक चिकित्सकीय सहायता, भोजन एवं अन्य

जरूरी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित विभाग पूरी सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आने वाला प्रत्येक तीर्थ यात्री और पर्यटक हमारा अतिथि है, अतः प्रत्येक व्यक्ति की सहायता करना राज्य का दायित्व है। मुख्यमंत्री विगत दिनों बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेकर प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा। उन्होंने बंद सड़कों को खोलने और बरसात के कारण खराब सड़कों की मरम्मत युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने लिया राहत एवं बचाव अभियान का जायजा

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को उत्तरकाशी के बर्फबारी प्रभावित क्षेत्र में ट्रैकिंग और पर्वतारोहण के लिए गए ट्रैकर्स एवं पोर्टर की सकुशल वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली से ही आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर, उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में चल रहे राहत एवं बचाव अभियान की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बर्फबारी प्रभावित क्षेत्र में गए प्रत्येक पयर्टक को सकुशल, उनके घरों तक पहुंचाया जाए।

उपभोक्ताओं को रसोई गैस सप्लाई की सूचना दे एजेंसी

नैनबाग (टिहरी)। एलपीजी उपभोक्ताओं ने रसोई गैस सिलिंडर वितरण प्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि मसूरी इंडेन गैस एजेंसी द्वारा नैनबाग में रसोई गैस की सप्लाई की कोई पूर्व सूचना नहीं दी जाती है जिससे कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ता है। उन्होंने उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से सूचना उपलब्ध कराने की मांग की है। व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश तोमर ने कहा कि नैनबाग में मसूरी इंडेन गैस एजेंसी द्वारा सप्लाई दी जाती है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर लेकर आने वाले वाहन में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और सुरक्षा व्यवस्था का भी पालन नहीं किया जा रहा है। खाद्य पूर्ति निरीक्षक प्रवीण सेमवाल ने कहा कि उपभोक्ताओं को सूचना देना जरूरी है। एजेंसी को शीघ्र नोटिस भेजकर कर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

कालिंदी बेस एवं ऑडिन कोल बेस क्षेत्र से 40 सदस्यों का सुरक्षित रेस्क्यू

सायं स्मार्ट कंट्रोल रूम से जिलाधिकारी ने अभियान और चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की ली अपडेट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : सोमवार को उच्च पर्वतीय साहसिक अभियान के तहत कालिंदी बेस तथा ऑडिन कोल बेस क्षेत्र में अभियान पर गए ट्रेकर्स और सदस्यों में से 40 सदस्यों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। रेस्क्यू किए गए सभी सदस्यों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। कालिंदी पास बेस क्षेत्र से कुल 11 सदस्यों को रेस्क्यू किया गया, जबकि ऑडिन कोल बेस क्षेत्र से कुल 29 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया है। इस प्रकार दोनों क्षेत्रों से कुल 40 सदस्यों का सफल रेस्क्यू किया गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशन में रेस्क्यू अभियान के दौरान संबंधित टीमों द्वारा हर्षिल एवं अन्य पड़ावों पर आवश्यक समन्वय एवं कार्रवाई की जा रही है। सायं जिलाधिकारी ने स्मार्ट कंट्रोल रूम पहुंचकर रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया और रेस्क्यू में लगी सभी टीमों को तत्परता से कार्य करने, चारधाम यात्रा की अपडेट ली, यात्रा मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा अन्य सेवाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

पत्थरों की बौछार के बीच 1500 यात्रियों का रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर चीड़बासा स्लाइडिंग जोन में देर रात फंसे करीब 1500 यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। पहाड़ी से लगातार गिर रहे पत्थरों और मलबे के बीच SDRYF, NDRYF और उऊफ़ा की संयुक्त टीमों ने रातभर अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित स्लाइडिंग जोन पार कराया और उन्हें गौरीकुंड की ओर रवाना किया। जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर की देर रात उऊफ रुद्रप्रयाग से सोनप्रयाग पुलिस को सूचना मिली कि गौरीकुंड से करीब तीन किलोमीटर आगे चीड़बासा क्षेत्र में स्लाइडिंग के कारण बड़ी संख्या में यात्री मार्ग के दूसरी ओर फंस गए हैं। सूचना मिलते ही रउफ़ा सोनप्रयाग की टीम सब इंस्पेक्टर आशीष डिमरी के नेतृत्व में तत्काल मौके के लिए रवाना हुई।

लगातार गिर रहे थे पत्थर और मलबा

चीड़बासा हैलीपैड के समीप पहुंचने पर रेस्क्यू टीम को पैदल मार्ग पर भारी मलबा जमा मिला। पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण मौके पर आवाजाही बेहद जोखिमपूर्ण बनी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रउफ़ा, ठउफ़ा और उऊफ़ा की टीमों ने आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

एक-एक कर सुरक्षित पार कराया स्लाइडिंग जोन

रेस्क्यू टीमों ने यात्रियों को सावधानीपूर्वक एक-एक कर स्लाइडिंग जोन पार कराया। इस दौरान लगातार पत्थर गिरने और दोबारा स्लाइडिंग होने के खतरे के बावजूद जवानों ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

बांध प्रभावित पांच परिवारों को 21 साल बाद भी नहीं मिली पात्रता

नई टिहरी। टीएचडीसी ने पडागली के बांध प्रभावितों की जमीन तो अपने नाम कर दी लेकिन अभी तक उन्हें पुनर्वास सुविधा का लाभ नहीं दिया है। इससे बांध प्रभावित पुनर्वास निदेशालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। 21 साल पुराने प्रकरण का निस्तारण नहीं होने पर डीएम व पुनर्वास निदेशक नितिका खंडेलवाल ने प्रभारी अधिकारी पुनर्वास को पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। भिलंगना ब्लॉक में ग्राम पडागली के पांडुनामे तोक निवासी बांध प्रभावित सुरजा देवी ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके पांच परिवारों की संपूर्ण जमीन अक्तूबर 2005 में टिहरी बांध की झील में डूब गई थी। उनकी वह जमीन अब राजस्व रिकॉर्ड में टीएचडीसी इंडिया लि. के नाम भी दर्ज हो गई है लेकिन अभी तक प्रभावितों की पात्रता का निर्धारण नहीं हो पाया है।

निर्माणाधीन मकान में चोरी का दून पुलिस ने किया खुलासा

देहरादून, थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान से बिजली का तार चोरी करने के मामले का दून पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 4 किलो से अधिक वजन का बिजली का तार और तार काटने में इस्तेमाल किया गया वायर कटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 27 सितंबर 2026 को श्रीमती रागिनी देवी पत्नी श्री देवेंद्र सिंह रावत, निवासी सृष्टि विहार लेन नंबर-1, थाना नेहरू कॉलोनी, देहरादून ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनके निर्माणाधीन मकान से अज्ञात व्यक्ति द्वारा रात के समय बिजली का तार चोरी कर लिया गया है। तहरीर के आधार पर थाना नेहरू कॉलोनी में मु0अ0सं0 401/2026, धारा 303 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना से आरोपी तक पहुंची पुलिस

घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के

लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटाई।

पुलिस को मिली जानकारी और मुखबिर की सूचना के आधार पर 27 सितंबर को दीपनगर रेलवे पुल के पास चेकिंग के दौरान मो. कमाल उर्फ कमाल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया बिजली का तार और तार काटने में इस्तेमाल किया गया वायर कटर बरामद हुआ।

कुछ तार 1500 में बेचने का दावा

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बरामद तार उसने सृष्टि विहार स्थित निर्माणाधीन मकान से चोरी किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने चोरी किए गए कुछ तार बंजारावाला क्षेत्र में एक फेरी वाले को 1500 में बेच दिए थे, जबकि शेष तारों को कबाड़ी को बेचने की तैयारी में था।

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज के लिए कनस्तर बजाकर निकाली रैली

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने नई टिहरी बाजार से कलेक्ट्रेट तक कनस्तर बजाकर रैली निकाली। समिति के लोगों ने शासन-प्रशासन पर मांग को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया।मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल और सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर विगत डेढ़ माह से अधिक का समय बौराड़ी में धरना चल रहा है लेकिन शासन-प्रशासन मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। कहा कि शासन-प्रशासन को जगाने के लिए संयुक्त संघर्ष समिति ने कनस्तर रैली का आयोजन किया है।रैली श्रीदेव सुमन पार्क से डाइजर होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। जिसके बाद रैली में शामिल लोगों ने नई टिहरी बाजार में पैदल भ्रमण कर लोगों से सहयोग मांगा। वहीं दूसरी ओर बौराड़ी के गणेश चौक में 44वें दिन धरना, 28वें क्रमिक अनशन व 58वें दिन सत्याग्रह आंदोलन जारी रहा है। क्रमिक अनशन पर सोमवार को संत निरंकारी मंडल टिहरी से जुड़े मनोहर लाल कुडियाल, मदन मोहन पेटवाल बैठे।

10 बूथों पर 3452 छात्र-छात्राएं मताधिकार का प्रयोग

ऋषिकेश। श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पीएलएसएम परिसर में 3452 छात्र-छात्राएं छात्र संघ चुनाव के लिए मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए परिसर प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्थाएं की हैं। वहीं, मतदान प्रक्रिया के दौरान काले की ढाल से कोयल घाटी तक हाईवे का एक हिस्सा खुला रहेगा। जिससे यातायात प्रभावित न हो। छात्र संघ चुनाव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रो. वीके गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान होगा, जिसके लिए 10 बूथ (कला संकाय में 04 और वाणिज्य संकाय में 06) बनाए गए हैं। मतपेटियों की सीलिंग सुबह 7:15 बजे होगी और प्रत्याशियों के एजेंटों को 7 बजे तक पहुंचना होगा। प्रो. गुप्ता ने बताया कि बिना वैध आईडी कार्ड या एडमिट कार्ड के परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। दोपहर 1 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा लेकिन परिसर के अंदर मौजूद छात्र मतदान कर सकेंगे। दोपहर 2 बजे से पुस्तकालय भवन में मतगणना शुरू होगी।

दादा-दादी और नाना-नानी ने स्कूल में मचाया धूम

जौलीग्रांट। रानीपोखरी स्थित दून भवानी इंटरनेशनल स्कूल और दून भवानी स्कूल अठूरवाला में ग्रैंड पैरेंट्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय के निदेशक बीपी उनियाल और प्रधानाचार्य पुष्पा उनियाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि बुजुर्ग किसी वट वृक्ष की तरह परिवारों में होते हैं जिनके साथ मिल जुलकर रहना चाहिए। दादा-दादी और नाना-नानी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उन्हें अपने बच्चों को आगे बढ़ता देखना अच्छा लगता है। दादा दादी, नाना नानी ने म्यूजिकल चेयर, पासिंग बॉल, बाल्टी में गेंद ड़ालना और दूसरे खेलों को खेलकर अपनी यादें ताजा की। सहायक निदेशक साकेत उनियाल, प्रधानाचार्य अजय गुप्ता, समन्वयक सारिका डोगरा, प्री-प्राइमरी समन्वयक कुमारी मधुलिका कश्यप आदि उपस्थित रहे।

लगातार हो रही बारिश से बाजार में पसरा सन्नाटा

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश का असर बाजार की रौनक पर भी देखने को मिला। सुबह से हो रही रिमझिम बारिश के चलते बाजार में ग्राहकों की आवाजाही कम रही जिससे दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हुआ। बाजार में दुकानें खुली रहीं लेकिन ग्राहकों की कमी के चलते अधिकांश दुकानदार दिनभर ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए। दुकानदार राहुल पाल और प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लगातार बारिश के कारण सबसे ज्यादा परेशानी ठेली-फड़ लगाकर आजीविका चलाने वाले छोटे व्यापारियों को उठानी पड़ रही है। बारिश के चलते कई छोटे व्यापारियों ने पिछले दो दिनों से अपनी दुकानें तक नहीं लगाई हैं।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर डीएम सख्त

देहरादून, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कलेक्ट्रेट में सीएम हेल्पलाइन एवं मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को जनसमस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

36 से 180 दिन तक लंबित शिकायतों पर दो दिन में रिपोर्ट

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने 36 दिन से लेकर 180 दिन तक लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी सभी शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर दो दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल पोर्टल पर दर्ज करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

फोर्स क्लोज शिकायतों पर प्रमाण पत्र होगा अनिवार्य

जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन पर फोर्स क्लोज की जा रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक ऐसे प्रकरण में संबंधित विभाग को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

प्रमाण पत्र में शिकायत की वास्तविक स्थिति और की गई कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख किया जाना आवश्यक होगा।उन्होंने कहा कि बिना उचित कार्रवाई और ठोस आधार के किसी भी शिकायत को बंद न किया जाए। शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित होने के बाद ही प्रकरण का निस्तारण किया जाए।

2025 से लंबित मुख्यमंत्री घोषणाओं पर कारण बताओ नोटिस

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं की विभागवार प्रगति की भी समीक्षा की। वर्ष 2025 से लंबित मुख्यमंत्री घोषणाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित घोषणाओं के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए स्पष्ट कार्ययोजना और समयसीमा निर्धारित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी और निर्धारित समयसीमा में अपेक्षित प्रगति न होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

जनहित के मामलों को सवीच्च प्राथमिकता

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन एवं मुख्यमंत्री घोषणाओं से जुड़े मामलों में अंतरविभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों को सवीच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन स्मृता परमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तरकाशी के उच्च हिमालय में फंसे 136 पर्वतारोही-ट्रेकर्स

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अचानक बदले मौसम और बर्फबारी के कारण फंसे पर्वतारोहियों एवं ट्रेकर्स के रेस्क्यू का अभियान युद्धस्तर पर जारी है। सोमवार को मौसम में सुधार के बाद हेली रेस्क्यू अभियान को गति दी गई।

अब तक 36 ट्रेकर्स को सुरक्षित रेस्क्यू कर हर्षिल पहुंचाया जा चुका है। इनमें आडेनकोल पास बेस कैंप से 29 और कालिंदी ट्रेक बेस कैंप से 7 ट्रेकर्स शामिल हैं। वहीं, करीब 100 पर्वतारोही एवं ट्रेकर्स का रेस्क्यू अभी बाकी बताया जा रहा है।

8 हेलीकॉप्टरों से हेली रेस्क्यू

रेस्क्यू अभियान के लिए हर्षिल को बेस कैंप बनाया गया है। प्रशासन और राहत-बचाव एजेंसियों द्वारा 8 हेलीकॉप्टरों की मदद से फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया जा रहा है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम लगातार चुनौती बना हुआ है, इसलिए रेस्क्यू ऑपरेशन मौसम की स्थिति को देखते हुए संचालित किया जा रहा है।

पैदल रेस्क्यू टीमें भी अलर्ट

हेली रेस्क्यू के साथ-साथ कळ्इढ, ठउफ़ा, रउफ़ा और गंगोत्री नेशनल पार्क की पैदल रेस्क्यू टीमें भी अलर्ट मोड पर हैं। आवश्यकता पड़ने पर पैदल टीमों के माध्यम से भी फंसे पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स तक पहुंचने की तैयारी की गई है।

मुख्यमंत्री धामी लगातार ले रहे जानकारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रेस्क्यू अभियान की लगातार जानकारी ले रहे हैं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता उच्च हिमालय में फंसे सभी पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स को सुरक्षित बाहर निकालना है।

छात्रों को अधिकारियों ने दिए कॅरिअर की जानकारी

थत्यूड़ (टिहरी)। ब्लॉक सभागार में सेवा संकल्प अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने कॅरिअर संबंधी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि करियर बनाने के लिए छात्रों को स्वयं जागरूक होना पड़ेगा।

थत्यूड़ ब्लॉक सभागार में सेवा संकल्प अभियान का समापन हो गया। कार्यक्रम में मौजूद जीआईसी और जीजीआईसी के छात्रों को संबोधित करते हुए जिला विकास अधिकारी मो असलम ने कहा कि छात्र जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं उसी क्षेत्र में निश्चित लक्ष्य बनाकर कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

एसीएमओ चंदन मिश्रा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास का होना जरूरी है।

जिला सेवा योजन अधिकारी लक्ष्मी यादव ने कहा छात्रों को इंटर स्तर से ही अपने करियर संबंधी क्षेत्र का चयन कर पूरी लग्न से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। खंड शिक्षा अधिकारी जौनपुर सुनील कार्की ने छात्रों को डीएलएड, बीएड, प्रवक्ता, टीईटी आदि परीक्षाओं से जुड़ी जानकारी के बारे में बताया। नई टिहरी होटल मैनेजमेंट संस्थान के शिक्षक अभिषेक ने छात्र-छात्राओं को होटल मैनेजमेंट क्षेत्र में कॅरिअर की जानकारी दी।

एसडीएम सदर कार्यालय से 50 फर्जी स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी होने का दावा

देहरादून। उत्तराखंड में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित कोटे के तहत एमबीबीएस दाखिले से जुड़े कथित प्रमाणपत्र फर्जीवाड़े की जांच अब तहसील प्रशासन और राजस्व अभिलेखों तक पहुंच गई है। मामले में चार एमबीबीएस दाखिले निरस्त किए जा चुके हैं और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रमाणपत्र हासिल करने के आरोप में प्राथमिकी भी दर्ज हुई है। इसी बीच मामले को उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप बहुगुणा ने एसडीएम सदर देहरादून कार्यालय की प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर दावे किए हैं।

बहुगुणा का दावा है कि अगस्त से लेकर एमबीबीएस सीट आवंटन से ठीक पहले तक एसडीएम सदर कार्यालय से करीब 50 संदिग्ध/फर्जी स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। उनका आरोप है कि इन स्थायी निवास प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र हासिल करने

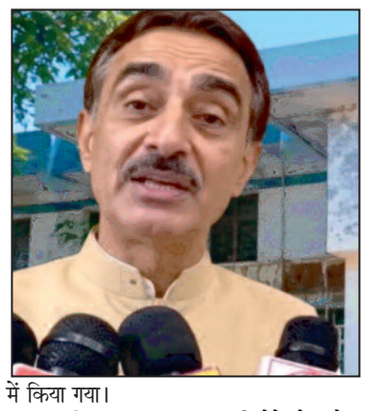

में किया गया।

हालांकि, 50 प्रमाण पत्र जारी होने के दावे की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। इस दावे की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

पहले चार एमबीबीएस दाखिलों पर हो चुका है बड़ा एक्शन

मामले में प्रशासनिक जांच के दौरान चार अभ्यर्थियों द्वारा लगाए गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए गए थे। जांच में सामने आया कि चारों आवेदनों में धर्मवीर वर्मा पुत्र खजान सिंह के नाम का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिचय पत्र लगाया गया था, जबकि संबंधित सरकारी पंजिका में इस नाम का रिकॉर्ड नहीं मिला।

इसके अलावा आवेदन में दर्ज पतों पर स्थलीय सत्यापन के दौरान संबंधित अभ्यर्थियों अथवा उनके परिवार के निवास की पुष्टि भी नहीं हुई। प्रशासन की जांच के बाद चारों प्रमाणपत्र निरस्त किए गए और इसके आधार पर हुए चार एमबीबीएस दाखिले भी रद्द कर दिए गए।

एसडीएम कार्यालय पहुंची एसआईटी, रिकॉर्ड कब्जे में लिए

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का दायरा अब प्रमाणपत्र हासिल करने वाले आवेदकों तक सीमित नहीं है। एसआईटी ने एसडीएम सदर कार्यालय पहुंचकर प्रमाणपत्र जारी करने से संबंधित फाइलों और राजस्व अभिलेखों की पड़ताल की तथा कई दस्तावेज कब्जे में लिए। जांच टीम ने प्रमाणपत्रों के सत्यापन से जुड़े तत्कालीन राजस्व कर्मचारियों से भी जानकारी जुटाई है। जांच का मुख्य बिंदु यह है कि आवेदन से लेकर सत्यापन और प्रमाणपत्र जारी होने तक पूरी प्रक्रिया में किन-किन स्तरों पर जांच हुई और संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किस आधार पर किया गया।

14 प्रमाणपत्रों की सूची मुख्यमंत्री को सौंपने का दावा

प्रदीप बहुगुणा का दावा है कि 14 संदिग्ध स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की सूची मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपी जा चुकी है। उनका कहना है कि जल्द ही करीब 50 प्रमाणपत्रों से संबंधित पूरी सूची सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने रचा इतिहास: तोड़ा अपना ही वनडे सीरीज जीत का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहाँ दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे अंतर्राष्ट्रीय सीरीज जीतकर इतिहास रच दिया है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज के पहले दो मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया है और इस जीत के साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे सीरीज जीतने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह दक्षिण अफ्रीका की कंगारुओं के खिलाफ रिकॉर्ड 10वीं वनडे सीरीज जीत है, जिसमें केवल वे ही देश शामिल हैं जिन्होंने तीन या उससे अधिक मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली हैं। इस उपलब्धि के साथ, दक्षिण अफ्रीका 10 वनडे सीरीज जीतने वाला पहला ऐसा देश बन गया है जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह कारनामा किया है।

इस विशिष्ट सूची में, दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर है, जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई कुल 16 सीरीज में से 10 में जीत हासिल की है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड की टीम है, जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सीरीज खेली हैं और उनमें से 8 में जीत दर्ज की है। वहीं, भारत इस सूची में तीसरे नंबर पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 15 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से भारतीय टीम को 6 बार जीत मिली है। पाकिस्तान 12 सीरीज खेलकर 5 जीत के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 सीरीज खेली हैं और 4 में सफलता प्राप्त की है।

रिकॉर्ड बनाने वाली इस सीरीज के दूसरे मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 365 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस पारी में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर और कप्तान तेम्बा बावुमा दोनों ने शानदार शतक जड़े, जिससे टीम एक मजबूत स्थिति में पहुंच गई। इसके जवाब में, ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 49.5 ओवर में 333 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने 32 रनों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की, जिसने उन्हें सीरीज में अजेय बढ़त दिलाई और यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने में मदद की। यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाती है।

1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने कुलदीप यादव, पर श्रेय विराट-गिल को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। तिरुवनंतपुरम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 295 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। उनकी कसी हुई और निर्णायक गेंदबाजी के कारण ही वेस्टइंडीज की टीम 300 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सकी, जिसने भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। कुलदीप यादव के इस प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए मैच खत्म होने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हालांकि, टीम इंडिया का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस अवॉर्ड को लेने में थोड़ी झिझक महसूस कर रहा था। कुलदीप ने अवॉर्ड स्वीकार करते हुए यह स्वीकार किया कि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें यह अवॉर्ड क्यों मिला, जबकि विराट और गिल ने इतनी असाधारण बल्लेबाजी की थी। कुलदीप ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷सच कहूं तो मुझे मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेते हुए थोड़ा अजीब लग रहा है, क्योंकि जिस तरह से विराट भाई और गिल ने बल्लेबाजी की, वह वाकई शानदार थी। मेरे ख्याल से इसे लेकर फैसला कुछ और भी हो सकता था।÷ यह बयान उनकी विनम्रता और टीम के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।

यह उल्लेखनीय है कि कुलदीप यादव को बेहतरीन फॉर्म में होने के बावजूद लगातार प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल रहा था, लेकिन जैसे ही उन्हें मैदान पर उतारा गया, उन्होंने मैच विनिंग परफॉर्मेंस देकर अपनी उपयोगिता साबित की। यही कारण है कि कुलदीप वनडे में पूरे 1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने हैं। कुलदीप इससे पहले 27 जुलाई 2023 को वेस्टइंडीज के ही खिलाफ बारबाडोस में 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मुकाबले में टीम इंडिया के लिए विराट कोहली ने 88 गेंदों में 10 चौकों और 9 छक्कों की मदद से नाबाद 139 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने 108 गेंदों में 110 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 13 चौके और 1 छक्का शामिल था। विराट और गिल के इस दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने 41.4 ओवर में ही सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 300 रन बनाकर आसानी से मैच जीत लिया। कुलदीप का प्रदर्शन निश्चित रूप से जीत में अहम था, लेकिन बल्लेबाजों ने उन्हें भी हैरान कर दिया।

लवलीना ने बॉक्सिंग में भारत का चौथा पदक पक्का किया, सेमीफाइनल में प्रवेश

निशियो (एजेंसी)। भारत की स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को महिला 75 किग्रा वर्ग में अपना दूसरा एशियाई खेल पदक पक्का कर लिया है। उन्होंने निशियो जिम्नेजियम में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोरिया की सियोंग सुयोन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पिछले एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता लवलीना ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआती दौर से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली थी। दोनों खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत रक्षात्मक अंदाज में की, लेकिन भारतीय बॉक्सर ने अपनी पहुंच का फायदा उठाते हुए कुछ सटीक पंच लगाए और पहला राउंड 5-0 से अपने नाम कर लिया। लवलीना बोरगोहेन ने अपने लंबे कद और प्रभावशाली रणनीति का इस्तेमाल करते हुए दूसरे राउंड में भी दबदबा बनाए रखा। उन्होंने प्रभावी काउंटर पंच और जैब लगाए, जिससे वह यह राउंड भी आसानी से जीत गईं। आखिरी राउंड में भी भारतीय बॉक्सर ने अपनी लय बनाए रखी और एशियन गेम्स 2010 की कांस्य पदक विजेता पर जबरदस्त प्रहार किए, जिससे उन्हें यह राउंड भी 5-0 से जीतने में सफलता मिली। सभी जजों ने लवलीना के पक्ष में 30-27 का स्कोर दिया, जो उनकी एकतरफा जीत का प्रमाण था।

यह पदक मौजूदा एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में भारत के लिए पक्का होने वाला चौथा पदक है। इससे पहले, नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अथापोंग सेंगटेप को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश करते हुए देश के लिए तीसरा पदक पक्का किया था। उनसे भी पहले, अंकुश पांघल और परवीन हुड्डा भी अपनी-अपनी कैटेगरी में पदक सुरक्षित कर चुके थे। मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पांघल ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलिमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया था।

एशियन गेम्स 2026: ईशा सिंह ने जीता रजत, मनु भाकर पदक के बिना लौटेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में 28 सितंबर को भारत के लिए मिश्रित परिणाम रहे, जहां विश्व रिकॉर्ड धारक निशानेबाज ईशा सिंह ने 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। हालांकि, भारत की उम्मीदों को झटका लगा क्योंकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर बिना किसी पदक के ही स्वदेश लौटेंगी, जो इस इवेंट के फाइनल तक में जगह नहीं बना पाईं।

ईशा सिंह ने फाइनल में असाधारण दृढ़ता और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत में 7 सीरीज के बाद वह मात्र 26 का स्कोर कर एलिमिनेशन के बेहद करीब थीं, लेकिन उन्होंने अविश्वसनीय वापसी की। पदक सुनिश्चित करने के लिए उनका सामना उत्तरी कोरिया की हयोन सुक किम से हुआ, जहां एक नहीं, बल्कि तीन बार शूटऑफ का रोमांचक दौर चला। सांसें रोक देने वाले इस मुकाबले में ईशा ने किम को मात देकर रजत पदक पक्का किया। स्वर्ण पदक के लिए उनका मुकाबला चीन की शाओ जियारुईशुआन से हुआ। यह मुकाबला भी बेहद कांटेदार रहा और अंतिम सीरीज तक दोनों निशानेबाज 38-38 के स्कोर पर बराबरी पर थीं। विजेता तय करने के लिए शूटऑफ का सहारा लिया गया, जहां ईशा और शाओ के बीच कड़ी टक्कर हुई। शूटऑफ में भी चार शॉट्स तक मुकाबला बराबरी पर चल रहा था, लेकिन दुर्भाग्यवश ईशा अपना आखिरी शॉट चूक गईं, जबकि चीनी एथलीट ने सटीक निशाना साधकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यह उल्लेखनीय है कि 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट का मौजूदा विश्व रिकॉर्ड ईशा सिंह के नाम ही है।

दूसरी ओर, मनु भाकर के लिए यह एशियन गेम्स निराशाजनक रहा। वह 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के क्वालीफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं, क्योंकि केवल शीर्ष-8 खिलाड़ी ही फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। ईशा सिंह ने क्वालीफिकेशन में मनु से केवल एक अंक अधिक (580) स्कोर करके फाइनल का टिकट हासिल किया था। इसी इवेंट में भाग लेने वाली भारत की राही सरनोबत ने भी निराश किया और क्वालीफिकेशन में 30वें स्थान पर रहीं। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अब तक कुल 39 पदक जीते हैं, जिनमें 4 स्वर्ण, 17 रजत और 18 कांस्य पदक शामिल हैं। शूटिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक हासिल किए हैं, जबकि एथलेटिक्स में भारत ने सर्वाधिक 13 पदक अपने नाम किए हैं, जो देश के लिए पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्वार्टर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल, शीर्ष पर है एमेलिया केर

नई दिल्ली। महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई।

कुराश में पिंकी बल्हारा ने जीता कांस्य, सेमीफाइनल में मिली हार

नगोया (एजेंसी)। भारत की पिंकी बल्हारा ने सोमवार को एशियन गेम्स 2026 में कुराश के -78 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाने से चूकना पड़ा, क्योंकि सेमीफाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाली पिंकी बल्हारा को एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया की मो सुमिन से 0-5 से शिकस्त मिली। सेमीफाइनल में मो सुमिन का पिंकी के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी को एक डक्की (कुराश में दो चेतावनी) मिली, जबकि सुमिन ने पहले आधा प्वाइंट चाला और बाद में योनबोश (पूरा प्वाइंट) हासिल करके मुकाबला 5-0 से जीत लिया। पिंकी बल्हारा ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में एक और साउथ कोरियाई खिलाड़ी लिम को 3-0 से हराया था। उस मुकाबले में उन्होंने कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ चाला (आधा प्वाइंट) हासिल किया था, जबकि लिम को तानबेख (चेतावनी) मिली थी। पिंकी ने एशियन गेम्स 2018 में रजत पदक जीता था, जब इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में कुराश को पहली बार शामिल किया गया था। वह पहले जूडो खिलाड़ी थीं और उन्होंने एशियाई जूनियर जूडो चैंपियनशिप 2018 में स्वर्ण पदक भी जीता था। हालांकि, वह जूडो इवेंट में भारत की एशियन गेम्स की टीम में जगह नहीं बना पाई थीं, लेकिन बाद में पिंकी ने कुराश इवेंट के लिए क्वालीफाई किया और अपना अनुभव भुनाते हुए रजत पदक जीता।

मौजूदा एशियन गेम्स में कुराश मुकाबलों में भारत को पिंकी बल्हारा के रूप में यह पहली सफलता मिली है। रविवार को भारतीय खिलाड़ी एक भी मैच नहीं जीत पाए थे, जो टीम के लिए निराशाजनक था। पुरुषों के 90 प्लस किग्रा वर्ग में विशाल का सफर क्वार्टर फाइनल में ही समाप्त हो गया, जब उन्हें थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी संगीता बल्हारा महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। उन्हें राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चारमिया क्रेलिनो के खिलाफ 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में भारती भी प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। उन्हें ईरान की ताहरेह अजरपेइवंद ने हराया। वहीं, पुरुषों के 90 प्लस किग्रा वर्ग में यश कुमार चौहान का सफर भी राउंड ऑफ 16 में खत्म हो गया, जब उन्हें ताजिकिस्तान के शकरममद मिरममदोव के खिलाफ 0-10 से हार मिली। पिंकी का कांस्य पदक भारतीय टीम के लिए एक राहत और प्रेरणा लेकर आया है।

विराट बोले, ये मेरा अंतिम विश्वकप, टीम को खिताबी जीत दिलाना है लक्ष्य

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि आगले साल 2027 में होने वाला एकदिवसीय विश्वकप उनके करियर का अंतिम विश्व कप होगा जिसे वह हर हाल में जीतना चाहते हैं। कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाना है और इसके लिए वह पूरी ताकत लगा देंगे। इसी के साथ ही विराट ने अपने विश्व कप भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर भी अंकुश लगा दिया। अब तक कहा जा रहा था विराट को शायद ही टीम में शामिल किया जाये पर इस बल्लेबाज ने इसमें खेलने की अपनी इच्छा खुलकर जता दी है। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अंतिम विश्व कप है, जिसमें मैं भारत के लिए खेलने जा रहा हूं। मैं अपना सब कुछ मैदान पर छोड़ना चाहता हूं इसलिए मेरा अंतिम लक्ष्य विश्व कप जीतना है। इसके लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। इससे साफ है कि विराट अपने करियर का समापन विश्व कप की जीत के साथ करना चाहते हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। गौरतलब है कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप अक्टूबर और नवंबर में संयुक्त रुप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 12 वेन्यू पर मुकाबले आयोजित किए जाने हैं। भारत ने अपना पिछला एकदिवसीय विश्व कप खिताब 2011 में जीता था, जिसके बाद 2023 में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताब नहीं जीत पायी थी। कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे न्यूजीलैंड से हार मिली थी।

तेज बारिश ने रोका मैच, हॉन्गकॉन्ग से खेले बगैर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचा

टोक्यो। आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 की मेन्स क्रिकेट में पाकिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच खेला जाने वाला पहला क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में लगातार बारिश के चलते मैदान खेलने लायक नहीं था, जिसके कारण मैच नहीं हो सका और एक भी गेंद नहीं फेंकी गई। मुकाबला रद्द होने का फायदा पाकिस्तानी टीम को मिला। आईसीसी की टी20 रैंकिंग में बेहतर टीम होने के कारण पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं हॉन्ग कॉन्ग का टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल सोमवार को भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे शुरू होना था, जबकि टॉस 5 बजे होना था, लेकिन मैच से पहले ही बारिश तेज हो गई। गीली आउटफील्ड के कारण मैच शुरू होने की कोई संभावना नहीं बनी। अधिकारियों ने मुकाबले को रद्द करने का फैसला किया। क्वार्टर फाइनल के लिए रिजर्व डे का प्रावधान नहीं था, इसलिए बेहतर रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान को फायदा हो गया। सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला बाकी क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के बाद होगा। एशियन गेम्स 2026 के दोनों सेमीफाइनल गुरुवार 1 अक्टूबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। पाकिस्तान को टूर्नामेंट में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली थी। बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को नॉकआउट चरण में सीधे प्रवेश दिया गया था। दूसरी ओर हॉन्ग कॉन्ग ने स्टेज में अच्छे प्रदर्शन के जरिए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। हॉन्ग कॉन्ग की टीम को ग्रुप स्टेज में एकमात्र जीत ओमान के खिलाफ मिली थी।

भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया है। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब कुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एरिगैसी ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुखिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उज्बेकिस्तान ने भारत और जर्मनी से दो अंक आगे रहते हुए अपना दूसरा शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के आधार पर सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसमें मैथियास ब्लूबाउम की जीत निर्णायक रही।

महिला वर्ग में, भारतीय टीम ने जॉर्जिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। सविता श्री ने दबाव में मेरी अराबिद्जे के खिलाफ ड्रॉ खेलकर टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे भारत तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। महिला वर्ग का गोल्ड मेडल चीन ने वियतनाम को 3-1 से हराकर जीता, वहीं कजाकिस्तान ने पोलैंड के खिलाफ 2-2 की बराबरी के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चीन ने दो अंकों की बढ़त के साथ अपना सातवां महिला शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के नियमों के तहत अमेरिका, पोलैंड, आर्मेनिया और मंगोलिया जैसी मजबूत टीमों को पीछे छोड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस प्रकार, भारतीय दल ने टूर्नामेंट का समापन एक अविस्मरणीय प्रदर्शन के साथ किया, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शीर्ष तीन में जगह बनाकर देश को दोहरा पोडियम फिनिश दिलाकर गौरवान्वित किया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को मिला नया अध्यक्ष : विश्व कप विजेता डेविड बून संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशासन में एक बड़ा बदलाव आया है, जहाँ बोर्ड ने सोमवार को पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व विश्व कप विजेता क्रिकेटर डेविड बून क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालेंगे। बून ने माइक बेयर्ड का स्थान लिया है, जिन्होंने बिग बैश लीग (बीबीएल) के निजीकरण और उसमें निजी निवेश लाने के विवादास्पद फैसले को लेकर अन्य बोर्ड सदस्यों के भारी दबाव के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। माइक बेयर्ड के इस कदम का न्यू साउथ वेल्स जैसे प्रमुख राज्यों ने भी कड़ा विरोध किया था, जिसके प्रतिनिधि के रूप में वह बोर्ड में आए थे। डेविड बून ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महान खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 1984 से 1996 तक कंगारू टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपने करियर में 107 टेस्ट मैच और 181 वनडे मैच खेले, जिनमें कुल मिलाकर 13,000 से अधिक रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 7422 रन दर्ज हैं, जिसमें 22 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि वनडे में उन्होंने 5 शतक और 37 अर्धशतकों सहित 5964 रन बनाए। बून उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 1987 में विश्व कप जीता था, जहाँ उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ 75 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी।